हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 29, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 20 जुलाई, 2022 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

योगी आदित्यनाथ सरकार की कैबिनेट बैठक में 55 प्रस्ताव पास

18 नई नपं के गठन को मंजूरी के साथ 20 नगरीय निकाय के सीमा विस्तार को भी हरी झंडी

लखनऊ। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की कैबिनेट बैठक आज लोकभवन में सम्पन्न हो गई। कैबिनेट बैठक में 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। आज कैबिनेट की बैठक में 56 प्रस्ताव आए थे, जिनमें से 55 को मंजूरी दी गई है। 18 नई नगर पंचायत के गठन को मंजूरी देने के साथ 20 नगरीय निकाय के सीमा विस्तार को भी हरी झंडी दी गई। मेट्रो विवि ग्रेटर नोएडा, केएम विवि मथुरा को आशय पत्र जारी करने की अनुमति दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सम्पन्न कैबिनेट बैठक के बाद मंत्री सूर्यप्रताप शाही तथा अनिल राजभर ने फैसलों की जानकारी दी। मंत्रियों ने बताया कि प्रदेश सरकार चंहुमुखी विकास को लेकर बेहद गंभीर है। इसी कारण जनता के लिए उपयोगी मामलों को कैबिनेट से पास करवाया जाता है। लोकभवन में कैबिनेट बैठक में 56 में से 55 प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई। इनमें 18 नई नगर पंचायत के गठन का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही प्रदेश की 20 नगर निकायों की सीमा का विस्तार होगा। प्रतापगढ़, गोंडा व देवरिया में तीन-तीन, फतेहपुर व गोरखपुर में दो-दो तथा लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, एटा, संतकबीर नगर व आजमगढ़ में एक-एक नई नगर नगर पंचायत बनाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई। प्रतापगढ़ की कटरा गुलाब सिंह बाजार, हीरागंज बाजार व गढ़वारा बाजार, लखीमपुर खीरी की भीरा, बलरामपुर की गैसड़ी, फतेहपुर की धाता व खखरेरू, देवरिया की तरकुलवा, पथरदेवा व बैतालपुर, एटा की मिरहची, गोंडा की तरबगंज, धानेपुर व बेलसर, आजमगढ़ की मार्टिनगंज, संत कबीर नगर की हैसर बाजार तथा गोरखपुर की उरुवा बाजार व घघसरा बाजार को नई नगर पंचायत के रूप में मंजूरी दी गई है।

वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिये कंसल्टेंट : योगी आदित्यनाथ कैबिनेट ने वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिये कंसल्टेंट चयन को मंजूरी दी है। इसके लिए सात नाम के प्रस्ताव आए थे। इसमें डेलॉयट इंडिया का चयन किया गया है। इनको 120 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। यह पांच वर्ष के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेगा। कैबिनेट ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लियेश्रम विभाग के नियम में बदलाव किया गया है। अब बॉयलर सेक्शन में दो वर्ष साल की सजा खत्म कर दी गई है। अब उल्लंघन करने वाले को एक लाख रुपया जुमार्ना देना पड़ेगा। सौ आकांक्षात्मक विकासखंडों में मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना को मंजूरी। फेलोशिप के लिए 100 शोधकताओं का चयन होगा उन्हें 30000 प्रतिमाह फेलोशिप दी जाएगी। आकांक्षात्मक विकासखंड की समस्याओं के निराकरण, प्राथमिकताओं और डाटा फीडिंग के लिए टैबलेट भी उपलब्ध कराया जाएगा। बुंदेलखंड के 7 जिलों के 47 विकासखंडों में प्राकृतिक खेती को अनुमति। हर विकासखंड में 500 हेक्टेयर के क्लस्टर के रूप में प्राकृतिक खेती की जाएगी। 5 वर्ष में 23500 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 470 क्लस्टर बनाकर यह कार्य संपन्न किया जाएगा। इस पर 68.83 करोड़ रुपये खर्च होगा। पहले चरण में 235 और दूसरे चरण में भी 235 क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। महर्षि सूचना प्रौद्योगिकी विवि लखनऊ के नोएडा परिसर को बंद करना पड़ा था। इससे छात्रों को परेशानी हो रही थी। 9 जून 2014 से नोएडा परिसर के संचालन की अनुमति दी गई।

बस में डीसीएम ने मारी टक्कर, तीन की मौत, तीन घायल

इटावा। लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह खड़ी बस में डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में बस के चालक, परिचालक समेत तीन की मौत हो गई। वहीं तीन सवारियां घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही

संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सैफई मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। मंगलवार सुबह करीब 3:10 बजे आगरा से लखनऊ वाली साइड में किलोमीटर संख्या 123 पर बस नंबर यूपी 51इळ2148 में खराबी होने के कारण बस खड़ी हो गई थी। इस पर चालक-परिचालक बस के पीछे खड़े होकर खराबी देख रहे थे। इस बीच एक डीसीएम के चालक ने बस में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक की सैफई मेडिकल कॉलेज ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। जिन्हें सैफई में भर्ती कराया गया है।

सैन्य सेवा के कारण विकलांग होने पर ही सेना के जवान विकलांगता पेंशन के हकदार होंगे: एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सेना के जवान केवल तभी विकलांग पेंशन के हकदार होंगे, जब सैन्य सेवा के कारण विकलांगता हुई हो या इस तरह की सेवा से और बढ़ गई हो और ऐसी स्थिति 20 प्रतिशत से अधिक हो। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के उस आदेश को चुनौती देने वाली केंद्र की अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सेना के जवानों को विकलांगता पेंशन दी गई थी। सर्वोच्च अदालत ने अतिरिक्त सालिसिटर जनरल के एम नटराज की इस दलील से सहमति जताई कि सशस्त्र बलों के एक सदस्य को लगी चोटों और सैन्य सेवा के बीच उचित संबंध होना चाहिए।

पीठ ने सैन्य कर्मी के छुट्टी स्टेशन पर पहुंचने के दो दिन बाद घायल होने के दावे को खारिज करते हुए कहा, 'जब तक विकलांगता सैन्य सेवा के कारण या बढ़ जाती है और 20 प्रतिशत से अधिक हो जाती है, तब तक विकलांगता पेंशन का अधिकार नहीं बनता है।' कोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में कर्मी के छुट्टी स्टेशन पर पहुंचने के दो दिन बाद वह एक सार्वजनिक सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पीठ ने कहा, 'सैन्य सेवा और प्रतिवादी द्वारा लगी चोटों के बीच बिल्कुल कोई संबंध नहीं है। कोई कारण संबंध भी नहीं है। ट्रिब्यूनल ने इस पहलू को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है जो मामले की जड़ तक जाता है। इसलिए, प्रतिवादी विकलांगता पेंशन का हकदार नहीं है। इस मामले में कर्मी को 4 जून, 1965 को सेना में नामांकित किया गया था और 10 साल और 88 दिनों तक सेवा प्रदान करने के बाद उन्हें 30 अगस्त, 1975 को आरक्षित प्रतिष्ठान में स्थानांतरित कर दिया गया था।

अपनी आरक्षित अवधि के दौरान, उन्होंने स्वेच्छा से 7 जनवरी 1976 को रक्षा सुरक्षा कोर में अपना नामांकन कराया और 6 नवंबर, 1999 को उन्हें वार्षिक अवकाश प्रदान किया। छुट्टी के दौरान सड़क पार करते समय उनका एक्सीडेंट हो गया और वह एक स्कूटर से टकरा गए। मेडिकल बोर्ड ने प्रतिवादी की विकलांगता के प्रतिशत का 80 प्रतिशत आकलन किया और उसे निम्न चिकित्सा श्रेणी में रखा। उस आधार पर, उन्हें 28 सितंबर, 2000 से सेवा से बाहर कर दिया गया था।

बाद में, उन्होंने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण को एक आवेदन दिया और विकलांगता पेंशन प्रदान करने की प्रार्थना की। ट्रिब्यूनल ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की अधिकृत छुट्टी की अवधि के दौरान चोट लगती है और उसका कार्य सैन्य सेवा के साथ असंगत नहीं था, तो उसकी विकलांगता सैन्य सेवा के कारण मानी जाती है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत मंगल पांडे की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की जयंती के मौके पर उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। क्रांति का बिगुल फूंकने वाले मंगल पांडे का

जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश में बलिया के निकट नगवा गांव में सरयुपारी ब्राह्मण के घर हुआ था। पिता का नाम दिवाकर पांडेय और मां का नाम अभय रानी पांडेय था। देश को आजाद कराने के लिए ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बगावत की। मात्र 22 साल की उम्र में ही वे ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल नेटिव इन्फेंट्री में सिपाही के तौर पर शामिल हो गए थे। इस साल की शुरूआत में मेरठ दौरे के समय मंगल पांडे की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी फोटो शेयर कर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट में कहा, ' महान मंगल पांडे साहस व दृढ़ संकल्प के पर्याय हैं। उन्होंने इतिहास के बेहद कठिन समय में देशभक्ति की चिंगारी जलाई थी।' बैरकपुर परेड मैदान कलकत्ता के निकट 29 मार्च 1857 को रेजीमेंट के अफसर लेफ्टिनेंट बाग द्वारा जोर-जबर्दस्ती किए जाने पर मंगल पांडे ने उन पर हमला कर दिया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ किसी भी सैनिक का यह पहला विरोध था। इसके बाद तो मंगल पांडे पर धार्मिक उन्माद का आरोप लगा और गिरफ्तार करने का आदेश भी जारी हो गया लेकिन इसके बाद मंगल पांडे को गिरफ्तार करने से सबने इंकार कर दिया। मारो फिरंगियों को का हुंकार देने के साथ ही मंगल पांडेय ने सिपाहियों से ब्रिटिश हुकूमत का विरोध करने के लिए कहाऔर हथियार उठा लिया था। उन्होंने सार्जेंट मेजर ह्यूसन को गोली मार दी। मंगल पांडे ने अपनी गिरफ्तारी से पहले ही खुद को गोली मार ली लेकिन घाव गहरा नहीं था। इसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई और उन पर कोर्ट मार्शल कर 18 अप्रैल को फांसी पर चढ़ाने की सजा दी गई। इसके बाद भी ब्रिटिश शासन को भय था और इसलिए मंगल पांडे को 10 दिन पहले यानी 8 अप्रैल 1857 को गुपचुप तरीके से फांसी पर चढ़ा दिया।

शादी, विवाह, मेले के परमिट के लिए आरटीओ कार्यालय जाने की जरूरत नहीं : परिवहन मंत्री

लखनऊ। परिवहन विभाग की सौ दिन की उपलब्धियां गिनाते हुए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार के सभी लक्ष्यों को विभाग ने पूरा किया है। शादी, विवाह और मेले आदि प्रयोजन के लिए एक सप्ताह की अवधि के लिए स्पेशल परमिट जारी करने की नई व्यवस्था की गई है। अब आवेदक को आरटीओ कार्यालय जाने की जरूरत नहीं बल्कि वह किसी भी समय और किसी भी दिन स्पेशल परमिट ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा ऑनलाइन परमिट पर डिजिटल हस्ताक्षर कर वाहन स्वामी को परमिट डाक के माध्यम से भेजा जा रहा है। वाहन स्वामी हस्ताक्षर के बाद खुद भी पोर्टल से परमिट डाउनलोड कर सकता है। लर्निंग लाइसेंस भी ऑनलाइन दिए जा रहे हैं। एकमुश्त शास्ति (पेनाल्टी) समाधान योजना पहली बार लागू की गई है। इसमें व्यवसायिक वाहनों के बकाए की धनराशि में शत-प्रतिशत पेनल्टी की छूट वाहन स्वामियों को दी गई है। बकाया राशि को वाहन स्वामी एकमुश्त या तीन किस्तों में जमा कर सकता है। निगम की 647 जनरथ बसों का संचालन किया गया। बीते 100 दिनों में 150 नई बसों को बेड़े में

शामिल करने की मंजूरी दी गई जिसमें से 148 बनकर पूरी तरह तैयार हैं । 84 मुख्य बस स्टेशनों पर मरम्मत व रंगाई पुताई आदि के कार्य किए गए हैं। आंतरिक संसाधनों से यह कार्य कराए गए। दयाशंकर सिंह ने कहा की प्रदेश में जनपद फिरोजाबाद एवं उरई में आवेदकों एवं कार्यालय के कर्मचारियों को कार्य संपादन में सुविधा देने के लिए एक सारथी हाल का निर्माण कराया गया।

लुलु मॉल में नमाज पढ़ने वाले चार लोगों को हिरासत में लिया गया, सीएम योगी बोले- सख्ती से निपटे प्रशासन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में खुले लुलु मॉल में नमाज पढ़ने के आरोपी चार लोगों को पुलिस ने मंगलवार सुबह हिरासत में ले लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने लुलु मॉल के घटनाक्रम पर कहा कि कुछ लोग जनता के आवागमन को रोकने के लिए अनावश्यक रूप से टिप्पणी और प्रदर्शन कर रहे हैं। लखनऊ प्रशासन को इस पर मामले पर पूरी गंभीरता दिखानी चाहिए और ऐसे लोगों से सख्ती से निपटना चाहिए। बीते दिनों लुलु मॉल में नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल हुआ था जिसके बाद से शहर में नया खुला ये शॉपिंग मॉल विवादों आ गया। इसकी प्रतिक्रिया में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने भी हनुमान चालीसा पढ़ी थी। मॉल के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अराजकतत्वों पर ड्रोन से की जा रही निगरानी- लुलु मॉल की सुरक्षा में पीएसी तैनात कर दी गई है और अराजकतत्वों पर ड्रोन से निगरानी की जा रही है। आधा किलोमीटर पहले पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा दी है जहां पर चेकिंग के बाद ही मॉल के भीतर जाने की अनुमति दी जा रही है। वहीं मॉल प्रशासन ने बयान जारी कर कार्रवाई की मांग की है। एडीसीपी साउथ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि मॉल के अंदर सादी वर्दी में बॉडी वार्म कैमरा लगाकर जवानों की तैनाती की गई है। मॉल की सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। पूरे इलाके में ड्रोन से नजर रखी जा रही है। इस दौरान किसी पर शक हुआ, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसीपी गोसाईंगंज स्वाति चौधरी के मुताबिक, मॉल के आधा किलोमीटर पहले ही बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग की जा रही है। पीएसी के साथ पुलिस बल तैनात किया गया है। इस दौरान हर एक व्यक्ति की चेकिंग के बाद ही अंदर जाने दिया जाएगा।

'आजादी के पहले से चली आ रही प्रक्रिया' अग्निनपथ योजना में जाति विवाद पर बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना के तहत जाति प्रमाण पत्र मांगने को लेकर उठे सवालों पर अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह खुद सामने आए हैं। उन्होंने इन सवालों को महज अफवाह बताया है। राजनाथ सिंह ने कहा, सैन्य भर्ती की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पुरानी प्रक्रिया को ही जारी रखा गया है। उन्होंने कहा, यह प्रक्रिया आजादी के पहले से चली आ रही है। दरअसल, अग्निपथ योजना के लिए जाति व धर्म प्रमाण पत्र मांगे जाने पर सियासत शुरू हो गई थी। भाजपा सांसद वरुण गांधी, आप सांसद संजय सिंह व जदयू नेता उपेंद्र कुशवाहा ने सैन्य भर्ती में जाति प्रमाण पत्र मांगे जाने पर सवाल खड़े किए हैं। सैन्य भर्ती में जाति व धर्म प्रमाण पत्र मांगे जाने पर सेना ने भी सफाई दी है। सैन्य अधिकारियों का कहना है कि अग्निपथ योजना के तहत सैन्य भर्ती प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले भी जाति व धर्म प्रमाण पत्र मांगा जाता रहा है। सैन्य भर्ती में धर्म प्रमाण पत्र मांगे जाने पर सेना के एक अधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण व तैनाती के दौरान शहीद होने वाले सैनिकों का अंतिम संस्कार करने के लिए धर्म का पता होना आवश्यक होता है। इससे उनका अंतिम संस्कार उसी धर्म के मुताबिक किया जाता है। उधर, योजना पर सवाल उठने के बाद भाजपा ने विपक्ष को घेरा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, अग्निपथ योजना पर जानबूझकर विवाद खड़ा किया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सेना में जाति के अधार पर भर्ती नहीं होती है, हालांकि, रिकॉर्ड के तौर पर प्रमाणपत्र मांगा जाता है। उन्होंने कहा, विपक्ष युवाओं को जाति के आधार पर बांटने का प्रयास कर रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, 2013 में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर हुई थी। इसके जवाब में सेना ने कहा था कि यह एक प्रक्रिया बस है। उस वक्त यूपीए की सरकार थी। इसके बाद भी ये लोग सेना को अखाड़े में लाना चाहते हैं, उसे बदनाम करना चाहते हैं।

हरियाणा में डीएसपी की हत्या : खनन माफिया के गुर्गों ने चढ़ाई गाड़ी, मौके पर ही चली गई सुरेंद्र सिंह की जान

मेवात (नूंह)। नूंह में खनन माफिया कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। पुलिस को ठेंगा दिखाने वाले खनन माफिया के हौसले कितने बुलंद हैं इसकी बानगी मंगलवार को देखने को मिली है। एक खनन माफिया के गुर्गों ने डीएसपी सुरेंद्र सिंह के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। इस घटना में डीएसपी सुरेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना गुरुग्राम से सटे नूंह जिले के तावडू थाना क्षेत्र के गांव पचगांव की है। गांव से सटी अरावली की पहाड़ी पर अवैध रूप से खनन किए जाने की सूचना डीएसपी (तावडू) सुरेंद्र सिंह बिश्नोई को मिली थी।

हिसार के रहने वाले थे डीएसपी- इसी सूचना पर मंगलवार सुबह 11 बजे वह अपनी टीम के साथ पहुंचे। पुलिस टीम को देखकर पहाड़ी के पास खड़े डंपर, उनके चालक और खनन में लगे लोग भागने लगे। वाहन रोकने के लिए डीएसपी आगे आए तो डंपर चालक ने उनके ऊपर वाहन चढ़ा दिया। टायर के नीचे आने से डीएसपी की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी नूंह वरुण सिंगला मौके पर पहुंचे हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई स्थानों पर दबिश दे रही है। डीएसपी मूल रूप से हिसार के रहने वाले थे।

कानून को चुनौती देते हुए खनन का खेल- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अरावली की पहाड़ियों में खनन पर रोक लगा दी गई थी। बावजूद इसके खनन माफिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। कानून को चुनौती देते हुए लगातार खनन का खेल जारी रहा। सूत्र बताते हैं कि इस खेल में कई सफेदपोश भी शामिल हैं। अब डीएसपी की हत्या के बाद ऐसे ही कई सवाल उठ रहे हैं।

एमएसपी कमेटी को संयुक्त किसान मोर्चा ने किया खारिज

चंडीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार द्वारा गठित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समिति पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार की समिति को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि निरस्त कृषि कानूनों का समर्थन करने वाले तथाकथित किसान नेता इसके सदस्य हैं। मोर्चा ने कहा कि समिति के एजेंडे में एमएसपी पर कानून बनाने का कोई जिक्र नहीं है, लेकिन कृषि कानूनों का समर्थन करने वालों को समिति में शामिल किया गया है। किसानों को कमजोर करने की कोशिश की गई है।

किसान नेता अभिमन्यु कोहर ने कहा कि हमने संयुक्त किसान मोर्चा के गैर-राजनीतिक नेताओं की एक बैठक की। सभी नेताओं ने सरकार के पैनल को खारिज कर दिया। सरकार ने तथाकथित किसान नेताओं को पैनल में शामिल किया है, जिनका तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हमारे आंदोलन से कोई लेना-देना नहीं था। कोहर ने कहा कि सरकार ने कुछ कॉरपोरेट लोगों को भी एमएसपी पैनल का सदस्य बनाया है। एसकेएम शाम को अपने रुख पर विस्तृत बयान जारी करेगा। पिछले साल नवंबर में तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एमएसपी पर कानूनी गारंटी के लिए किसानों की मांग पर चर्चा करने के लिए एक समिति गठित करने का वादा किया था।

यूनाइटेड किसान मोर्चा ने कहा कि उन्होंने केवल एमएसपी के आधार पर कमेटी बनाने की मांग की थी। समिति में पंजाब, हरियाणा और यूपी सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं होने पर भी सवाल उठाए गए हैं। स्वामीनाथन की तरह, यह एक कागजी समिति बनी रहेगी। तीन काले कानूनों को निरस्त करने के लिए प्रधानमंत्री ने 19 नवंबर को अपनी घोषणा में जिस समिति का वादा किया था, उसकी आखिरकार घोषणा कर दी गई है।

संपादकीय

चीन को दो टूक

पूर्वी लद्दाख में विवादित क्षेत्रों से चीनी सैनिकों को हटाने को लेकर भारत ने इस बार भी कड़ा रुख दिखाया। यही होना भी चाहिए। सोलहवें दौर की कमांडर स्तर की वार्ता में भारत ने एक बार फिर चीन से साफ-साफ कह दिया कि पहले वह पूर्वी लद्दाख में विवादित स्थलों से अपने सैनिकों को हटाए और अप्रैल 2020 वाली स्थिति को बहाल करे। इस मसले को लेकर दोनों देशों के बीच छब्बीस महीने से गतिरोध बना हुआ है। भारत पहले भी कहता रहा है कि यह गतिरोध तभी दूर होगा जब चीन एतराज वाले बिंदुओं से अपने सैनिकों को हटा लेगा। लेकिन अभी तक चीन ने ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे लगे कि वह समस्या हल करने की दिशा में बढ़ना चाहता है। बल्कि अब तक पंद्रह दौर की वाताओं के दौरान उसका जो रवैया देखने को मिलता रहा, उससे लगता नहीं कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े ताजा विवाद जल्द निपटेंगे। चीन जिस रणनीति पर चल रहा है, वह दो पड़ोसियों के बीच अच्छे रिश्ते बनाने वाली तो नहीं कही जा सकती। इसलिए जब भी चीन के साथ वार्ता का मौका आया है, यह आशंका भी साथ ही पैदा होने लगती है कि कहीं इस दौर की वार्ता का हश्र भी पहले जैसी वाताओं जैसा न हो। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच यह गतिरोध पैंगोंग झील इलाके में अप्रैल 2020 में शुरू हुआ था। तब चीनी सैनिकों की हलचल अचानक बढ़ गई थी। उसी साल जून में गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया। इस हमले में चौबीस भारतीय जवान शहीद हो गए थे। हालांकि भारतीय जवानों ने भी इस हमले का कड़ा जवाब दिया था। पर इसके बाद उस इलाके में जो तनाव पैदा हुआ, वह स्थायी समस्या बन चुका है। अब तो इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है कि चीन की मंशा भी यही थी। इसी दौरान चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास कई जगहों पर सैनिक जमा कर लिए। हालांकि भारतीय सेना ने भी मजबूत मोर्चा बना लिया है, पर अब विवाद के जो नए ठिकाने बन गए हैं, उनसे चीन को हटा पाना आसान नहीं लग रहा। इसलिए सोलहवें दौर की वार्ता में भी भारत का जोर इसी पर रहा कि चीन पहले देमचोक और देपसांग से अपने सैनिक हटाए। सवाल है कि चीन क्यों नहीं इन जगहों से अपने सैनिकों की वापसी के लिए तैयार हो रहा? इस महीने के आखिर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक होने वाली है। इसके बाद एससीओ के राष्ट्र प्रमुखों की बैठक भी प्रस्तावित है। इसी महीने की सात तारीख को इंडोनेशिया के बाली द्वीप में भी भारत और चीन के विदेश मंत्री मिले थे और सीमा विवाद पर चर्चा की थी। इस लिहाज से सोलहवें की दौर वार्ता और उसमें भारत का रुख चीन के लिए एक संदेश है। हालांकि चीन से ऐसी उम्मीदें अक्सर निराश करने वाली ही रही हैं। वास्तविक नियंत्रण पर रेखा पर उसकी उकसाने वाली गतिविधियां चल ही रही हैं। यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि पैंगोंग इलाके से भी उसने अगर सैनिक हटाए तो इसके पीछे भावना विवाद खत्म करने की नहीं रही, बल्कि ऐसा उसने वैश्विक दबाव खासतौर से अमेरिका के सख्त रुख को देखते हुए किया था। अगर चीन वाकई भारत को अपना अच्छा पड़ोसी मानता है और सीमा विवादों को हल करना चाहता है तो उसे पहले विवादित जगहों से अपने सैनिक हटा कर सकारात्मक रुख का परिचय देना होगा।

है करना अधिकार!

शुरू हो गया खेल ।
है करना अधिकार ।।
खींचतान चल रही ।
बढ़ रहा प्रतिकार ।।
हास्यास्पद है स्थिति ।
पाए नहीं संभाल ।।
है कितना नियंत्रण ।
उठना तय सवाल ।।
किंकर्तव्यविमूढ़ अब ।
समय आज है आन ।।
मिट्टी में मिल जाएगा ।
लगता अब सम्मान ।।
अपनों से ही धोखा ।
मिल रहा है आज ।।
एक ही झटके में ।
चला गया ताज ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अदृश्य पदार्थ की गुत्थी

अभिषेक कुमार सिंह

अदृश्य पदार्थ की गुत्थी इसलिए भी रहस्य बनी हुई है कि ब्रह्मांड की थाह ले पाना आज भी संभव नहीं हो पाया है। वैसे तो खगोलशास्त्री ज्ञात ब्रह्मांड का सिर्फ छठा हिस्सा ही देख पाते हैं, फिर भी अनंत आकाशगंगाओं के नब्बे फीसद से ज्यादा पदार्थ अभी अज्ञात हैं। अदृश्य पदार्थ के बारे में फिलहाल कोई पक्के तौर पर नहीं जानता है कि आखिर वह है क्या!

वैज्ञानिकों के लिए आज भी ब्रह्मांड से ज्यादा रहस्यमय शायद ही कुछ हो। जैसे, असंख्य तारे होते हुए भी रात आखिर अंधेरी क्यों होती है, या इस ब्रह्मांड का कोई ओर-छोर है या नहीं। ऐसे असंख्य सवाल हैं जो आज भी रहस्य ही बने हुए हैं। सबसे बड़ी गुत्थी तो यही है कि ब्रह्मांड आखिर बना किस चीज से है। अक्सर बताया जाता है कि हमारे ब्रह्मांड का तीन चौथाई यानी पचहत्तर फीसद हिस्सा अदृश्य पदार्थ यानी डार्क मैटर से बना है। पर यह अदृश्य पदार्थ क्या है, कहां है, कोई नहीं जानता, क्योंकि अंतरिक्ष में यह कहीं किसी रूप में दिखाई नहीं देता। इसका पता तब चलता है, जब ब्लैकहोल की जानकारी बटोरी जाती है। इसी तरह ग्रहों-तारों के गुरुत्वाकर्षण से उसका अंदाजा लिया जाता है। लेकिन सिद्धांत के रूप में अदृश्य पदार्थ को पारिभाषित करना और इसके रहस्यों को सुलझाना जीव उत्पत्ति की गुत्थी सुलझाने जैसा है। पर अब माना जा रहा है कि शायद वैज्ञानिक इसका कुछ रहस्य जान लें।

इसी महीने की पांच तारीख को स्विटजरलैंड के जिनेवा शहर में दुनिया की सबसे बड़ी प्रयोगशाला- लार्ज हैड्रान कोलाइडर (एलएचसी) को फिर से चालू किया गया है। कण भौतिकी (पार्टिकल फिजिक्स) के क्षेत्र में काम कर रही यह प्रयोगशाला यूरोपियन आर्गनाइजेशन आफ न्यूक्लियर रिसर्च यानी सर्न के नाम से मशहूर है। इसमें कणों को पैदा करने वाली विशालकाय मशीन एलएचसी को पिछले कुछ वर्षों में खासतौर से उन्नत बनाया गया है। माना जा रहा है कि इसका पूरी तरह संचालन शुरू होने पर अदृश्य पदार्थ के वजूद के बारे में ठोस जानकारी मिलना संभव हो सकेगा। दस साल पहले वर्ष 2012 में एलएचसी ने ही हिग्स बोसोन नामक कण का पता लगाया था, जो इक्कीसवीं सदी की सबसे बड़ी खोजों में से एक थी। हिग्स बोसोन कणों को ब्रह्मांड के निर्माण की आधारशिला माना जाता है। हिग्स बोसोन का किस्सा ब्रह्मांड के जन्म के उन शुरूआती कणों से जुड़ा है, जिन्होंने सबसे पहले द्रव्यमान हासिल किया था। प्रस्थापनाओं के मुताबिक आरंभिक कण जब हिग्स फील्ड कहलाने वाले क्षेत्र में एक दूसरे के संपर्क में आते हैं, तो द्रव्यमान हासिल करते हैं। मोटे तौर पर ये हिग्स क्षेत्र ऊर्जा क्षेत्र होते हैं जो दूसरे इलेक्ट्रान और क्वार्क कणों को द्रव्यमान प्रदान करते हैं। इसी खूबी के कारण हिग्स बोसोन को ईश्वरीय कण यानी गॉड पार्टिकल भी कहा जाता है। कणों द्वारा द्रव्यमान हासिल करने की प्रक्रिया को महाविस्फोट (बिग बैंग) की उस घटना से जोड़ा जाता है जिससे ब्रह्मांड बनने की मानी जाती रही है। हिग्स बोसोन कणों से संबंधित उपलब्धि के बाद एलएचसी को उन्नत बनाने के जो काम किए गए, उनसे यह प्रयोगशाला अब ज्यादा सक्षम और ताकतवर हो गई है। अब इसमें ज्यादा कण एक दूसरे से टकराएंगे और उनमें ज्यादा घर्षण होगा। इसका अर्थ यह हुआ कि विश्लेषण के लिए अब ज्यादा आंकड़े उपलब्ध होंगे। एक अहम बात और है जो एलएचसी द्वारा बड़ी मात्रा में ऊर्जा के इस्तेमाल से जुड़ी है। सर्न नामक यह प्रयोगशाला एक साल में एक छोटे शहर के बराबर ऊर्जा की खपत कर लेती है। इस ऊर्जा का इस्तेमाल कणों की रफ्तार बढ़ाने में किया जाता है। वैज्ञानिकों की कोशिश कणों की गति प्रकाश की रफ्तार के बराबर करने की है, ताकि जब ये कण आपस में टकराएं तो छोटे-छोटे कणों बंट जाएं। फ्रांस और

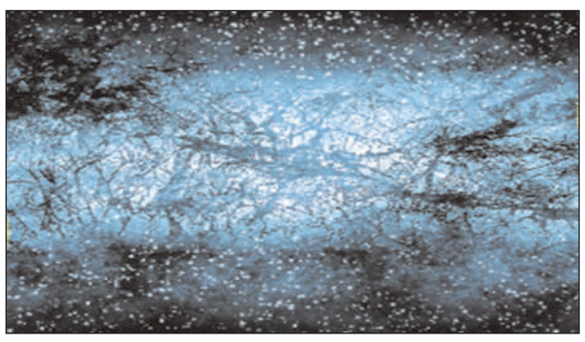

स्विट्जरलैंड की सीमा पर सत्रह मील लंबी सुरंग में स्थित इस अद्भुत मशीन द लार्ज हैड्रान कोलाइडर अदृश्य ऊर्जा का रहस्य कैसे खोल सकती है, इसके लिए सर्न के संक्षिप्त इतिहास को समझना होगा। असल में इस जगह पर पहले एटम स्मैशिंग मशीन- इंटरनेशनल लीनियर कोलाइडर से और फिर कोलाइडर- लार्ज हैड्रान कोलाइडर (एलएचसी) से परीक्षण शुरू किए गए। इसने वर्ष 2007 में काम करना शुरू किया था। सतह के किसी भी स्पंदन से दूर, जमीन में गहरे दबी सुरंग के आकार में बनी इस विशालकाय में लगभग प्रकाश की गति से भागते इलेक्ट्रान-पाजिट्रान कणों के बीच उच्च आवेशित टकराहट संभव होती है। इसके फलस्वरूप ऊर्जा, प्रकाश और विकिरण का ऐसा जबर्दस्त विस्फोट होता है, जो महाविस्फोट के ठीक बाद के सेकेंड के लाखवें हिस्से तक की स्थितियों का पुनः सृजन कर सकता है। ऐसी ही अवस्था में वह गॉड पार्टिकल यानी हिग्स बोसोन कण उत्पन्न हो सकता है, जिसमें अदृश्य पदार्थ और अदृश्य ऊर्जा, पदार्थ की मूलभूत प्रकृति, अंतरिक्ष और समय से लेकर उन सभी गुत्थियों का रहस्य छिपा है, जो अभी तक अनसुलझी हैं। माना जाता है कि हमारे ब्रह्मांड का अस्सी फीसद से ज्यादा हिस्सा अदृश्य पदार्थ से बना है। यह अदृश्य पदार्थ इसलिए कहलाता है क्योंकि यह प्रकाश से संपर्क नहीं करता या उसे अवशोषित कर लेता है। इसलिए इसे आंखों या खगोलीय दूरबीनों से देखा नहीं जा सकता। अदृश्य पदार्थ की गुत्थी इसलिए भी रहस्य बनी हुई है क्योंकि ब्रह्मांड की थाह ले पाना आज भी संभव नहीं हो पाया है। वैसे तो खगोलशोस्त्री ज्ञात ब्रह्मांड का सिर्फ छठा हिस्सा ही देख पाते हैं, फिर भी अनंत आकाशगंगाओं के नब्बे फीसद से ज्यादा पदार्थ अभी अज्ञात हैं। इनमें भी अदृश्य पदार्थ के बारे में फिलहाल कोई पक्के तौर पर नहीं जानता है कि आखिर वह है क्या। हालांकि इसकी मात्रा का एक अनुमान लगाया जाता है। माना जाता है कि अगर सभी आकाशगंगाओं और तारों के द्रव्यमान को जोड़ दिए जाए, तो यह ब्रह्मांड का सिर्फ चार फीसद हिस्सा है। बाकी सब कुछ अदृश्य पदार्थ है। इसका कुछ अंदाजा सर्न की प्रयोगशाला एलएचसी से कैसे चल सकता है, इसके लिए वैज्ञानिक ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के जन्म के सिद्धांत का उदाहरण देते हैं। वे बताते हैं कि जब चौदह अरब साल पहले ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई थी, तब अचानक इलेक्ट्रान और प्रोटान की बाढ़ आई। अनुमान है कि इन दोनों कणों में कंपन हुआ और तेरह अरब साल पहले आकाशगंगाएं अस्तित्व में आईं। लेकिन यह पता नहीं लग पाया है कि कंपन आखिर क्यों हुआ। माना गया कि यह कंपन हिग्स बोसोन कणों की परस्पर टकराहट से हुआ। अब सवाल है कि एलएचसी से डार्क मैटर का अनुमान कैसे लगेगा। एक सिद्धांत यह भी कहता है कि अदृश्य पदार्थ के कण इतने छोटे हो सकते हैं कि वे पकड़ में ही न आ पाएं। लेकिन टकराहट के दौरान यदि वे अपने साथ कुछ ऊर्जा पैदा करते हैं तो इससे उनके अस्तित्व के बारे में पता लग सकेगा। अदृश्य पदार्थ बना किस चीज होगा, इसका एक जवाब म्यूनिख विश्वविद्यालय के प्रो हैराल्ड लेश ने दिया है। उनके अनुसार, अदृश्य पदार्थ मृत तारों से बना होगा। हर आकाशगंगा में सौ से दौ सौ अरब तारे होते हैं। उन में से कुछ अपना जीवनकाल पूरा कर चुके होते हैं। ऐसे ब्लैक होल, न्यूट्रान तारे, बुझ चुके तारे ही आकाशगंगाओं के इर्दगिर्द जमा हो जाते हैं। चूंकि वे चमकते नहीं हैं, इसलिए दिखते नहीं है और ये सिर्फ अपने गुरुत्व बल के माध्यम से अपने अस्तित्व का आभास देते हैं। इसी से मिलती-जुलती एक बात जर्मनी स्थित मैक्स प्लांक खगोल भौतिकी संस्थान के निदेशक साइमन व्हाइट ने भी कही है। उनके मुताबिक अभी कोई नहीं जानता कि यह अदृश्य पदार्थ किस तरह का है, लेकिन इसके सबूत वैज्ञानिकों के पास हैं कि ब्रह्मांड में भारी मात्रा में ऐसा कोई पदार्थ है, जो गुरुत्वाकर्षण जैसा प्रभाव पैदा करता है, लेकिन हम उसे देख नहीं पाते।

बातें उस्तादों की

प्रभात कुमार

बातों के उस्ताद हमेशा कहते रहे कि अभिभावकों को अपने सपने अपने बच्चों पर नहीं लादने चाहिए। उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को पोषित करना चाहिए। दिलचस्प है कि अब हर किस्म की बातें पकाने वाले गुरुओं ने भी अभिभावकों को समझाना शुरू कर दिया है। वे विद्यार्थियों को ज्ञान दे रहे हैं कि किसी के भी अधूरे या पूरे सपने न देखें। परीक्षा के दिनों में तनाव न लें। इनमें ऐसे लोग शामिल हैं, जो अपने मनमाने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दिन-रात जुगाड़ लगाते दौड़े फिरते हैं। विज्ञापनों में करोड़ों लगा देते हैं। जात-पांत, धर्म, संप्रदाय की क्यारियों में जबान के नए बीज बोते और खाद-पानी देते हैं।

बातों के इन उस्तादों की बातें राजनीतिक लगती हैं। इनके निरंतर प्रवचनों के बाद भी कितने अभिभावक सुधरे होंगे, यह खोज का विषय है। कुछ प्रतिशत को छोड़ दें तो प्रतिभा गढ़ने के जुगाड़ जारी हैं। बच्चे का नाम स्कूल में रहता है, पढ़ता कोचिंग सेंटर में है। अध्यापक अपने बच्चों को अध्यापक नहीं बनाना चाहते। डाक्टर या इंजीनियर ही बनाना चाहते हैं। कोचिंग केंद्र का नैतिक कर्तव्य चुंबक की तरह बच्चों को खींच कर, विशेषज्ञों द्वारा पढ़वा कर प्रतियोगी परीक्षा में हिट करवाना होता है। जो बच्चे मेहनत,

लगन से अच्छे कालेज में पहुंच जाते हैं, उनके फोटो खरीद कर भी कुछ महीने कोचिंग मंदिर के मुख्यद्वार पर लगाए जाते हैं, ताकि दूसरे बच्चे अपने अभिभावकों से वहां आने को कहें। दीगर कारणों से कोचिंग सेंटर बंद हो सकते हैं, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि बातों के उस्तादों की बातों के कारण हुए हों। कई और शातिर तिकड़में हैं, जो सिर्फ लगाने वालों को पता होती हैं। बच्चों पर व्यावसायिक सपने लादने का सफल, सांस्कृतिक शैक्षिक माहौल हमने परस्पर सहयोग से बहुत सालों में बड़ी शिद्दत से तैयार किया है। हम बच्चों से वही करवाना चाहते हैं, जो उन्हें बढ़िया पैकेज दिलवाए। कोई स्वीकार नहीं करेगा कि वह आत्मावलोकन या समाज के लिए शिक्षा ग्रहण कर रहा है। प्रसिद्ध संस्थान में कोचिंग लेने के बावजूद नैसर्गिक प्रतिभा को मनपसंद कैंपस में दाखिला न मिले, तो बहुत से बच्चे पैसे या कर्ज के सहारे व्यावसायिक रूप से कामयाब होने के लिए घर या देश से दूर जाते हैं। दूसरों के बच्चों का जाना सामान्य मानने वालों का दिमाग भी जुगाड़ लगाता रहता है कि उनके बच्चे कब जाएंगे। सरकार भी तो ख्वाब पूरे करने के लिए शैक्षिक ऋण उपलब्ध कराती है।

बातों के उस्तादों को पता होगा कि बच्चों के पैदा होने से पहले ही अच्छे स्कूलों की इमारतें अभिभावकों के दिमाग और जेब में घूमते हुए पूछने लगती हैं कि कौन-से स्कूल में जुगाड़ फिट हो सकता है। जुगाड़ लगाए जाते हैं और सफल भी होते हैं। जिनके पास पैसे, जुगाड़ और भाग्य तीनों नहीं हैं उनके पास पूरे तो क्या, अधूरे सपने भी नहीं रहते। उनके बच्चे खुद मेहनत करते हैं, जिनमें से कुछ सफल भी होते हैं। उनका ख्वाब डाक्टर या इंजीनियर ही बनना नहीं होता। उनका सपना जिंदगी में सफल होना होता है। बातों के उस्ताद सलाह देते हैं कि शिक्षा के कारण बच्चे त्योहारों का मजा नहीं ले पाते, इसलिए शिक्षा को ही त्योहार बना लिया जाए। दो अलग विचारों की अदला-बदली बातों में ही आसानी से हो सकती है। अब तो त्योहार भी बाजार के हवाले हो चुके हैं और शिक्षा तो पहले से बाजार के हवाले है।

बातें करने वाले कहते हैं कि आईपैड, मोबाइल में घुसने से ज्यादा आनंद तो अपने अंदर घुसने का होता है। ऐसे में जब मानवीय रिश्ते भी बाजार के किनारे टिके हैं, यह सुनना भी अधिकांश अभिभावकों को खालिस प्रवचन ही लगेगा। अभिभावक बच्चे को दुनिया में आते ही स्मार्ट फोन के साथ रहना सिखा रहे हैं। कई जगह जिंदगी की विवशताएं भी सशक्त भूमिका निभाती हैं। ऐसा अभी तक संभव नहीं हो पाया है कि चौथी कक्षा या उससे पहले विद्यार्थी की नैसर्गिक प्रतिभा पहचान कर उसे शिक्षक, किसान या अन्य उसी विशेष क्षेत्र में पढ़ाया जाए, ताकि उसकी मूल प्रतिभा उसे वही बनाने में मदद करे जो उसे होना चाहिए।

कितनी प्रतिभाओं को अवसर न मिलते, गर्क होते देख कर सवाल उभरता है कि क्या सफलता के लिए जरूरी मेहनत है या फिर जुगाड़ ही सब कुछ है। शिक्षा तो एक हिस्सा भर है जीवन का। आने वाले कल में पेट के लिए कमाने की फिक्र ही तो सारी दुविधा है। फिर मनपसंद जीवनसाथी और मकान भी इंतजार कर रहे होते हैं। शिक्षा को फिट रखने वाली कंपनी का विज्ञापन कहता है, अपने बच्चों की सोचने की क्षमता, सीखने की गति, प्रतिधारण शक्ति और अंक क्षमता बढ़ाने के लिए उनके पास ही आएं और उनके द्वारा पकाई सामग्री ही खिलाएं। वैसे, बातों के उस्तादों की बातें सचमुच खूब बिकती हैं।

हालिया राजनीतिक घटनाएं दशार्ती हैं कि मौजूदा दल बदल कानून प्रभावी साबित नहीं हो पा रहा है

महाराष्ट्र में शिवसेना पार्टी के विधायकों द्वारा दलबदल करने के कारण मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की सरकार को गिरा कर शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद देश का दल बदल निरोधक कानून अप्रासंगिक बनकर रह गया है। इस कानून की कमजोरियों का फायदा उठाकर सांसद, विधायक लगातार दल बदल कर रहे हैं। महाराष्ट्र की हालिया घटना के बाद पूरे देश में इस बात को लेकर जोरों से चर्चा है कि मौजूदा कानून दलबदल को रोक पाने में कमजोर साबित हो रहा है। इसे और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। ताकि दल बदल जैसे सत्ता बनाने बिगाड़ने के खेल पर रोक लग सके।

महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर हुए दलबदल में भी भाजपा की भूमिका खुलकर सामने आई है। इससे पूर्व भाजपा कर्नाटक व मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर विधायकों से दलबदल करवा कर वहां की सरकारों को अपदस्थ कर भाजपा की सरकार बनवा चुकी है। 2014 के बाद दलबदल का खेल कुछ अधिक ही खेले जाने लगा है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में पूरी सरकारों को ही अपदस्थ कर वहां भाजपा की सरकार बनवा दी गई थी। उसके बाद गोवा में बहुमत नहीं मिलने के बावजूद सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को दरकिनार कर भाजपा की सरकार बनाई गई थी।

2018 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बसपा से चुनाव जीते सभी 6 विधायकों को कांग्रेस में शामिल करवा कर बहुमत प्राप्त कर लिया था। हाल ही में बिहार विधानसभा में लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद ने असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के 5 में से 4 विधायकों को दल बदल करवा कर राजद में शामिल करवा लिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव कांग्रेस के अधिकांश विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करवा चुके हैं। सिक्किम में सिक्किम डेमोक्रेटिक पार्टी के दस विधायक दलबदल कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। चर्चा है कि गोवा कांग्रेस के मौजूदा विधायक कभी भी भाजपा में जा सकते हैं।

मौजूदा नियमों के मुताबिक किसी पार्टी के दो तिहाई व उससे अधिक विधायक एक साथ किसी अन्य पार्टी में विलय करते हैं तो उनकी सदस्यता बच जाती है। इसी का फायदा उठाकर राजनीतिक दलों द्वारा धड़ाधड़ दलबदल करवाया जा रहा है। चुनावों के दौरान भी प्रदेशों में बड़े पैमाने पर विधायकों द्वारा दलबदल किया जाता है। हालांकि उस समय विधानसभाओं के चुनाव होने होते हैं ऐसे में दलबदल का सरकार की सेहत पर प्रभाव नहीं पड़ता है। जनता द्वारा निर्वाचित सांसद या विधायक तो अपनी सुविधानुसार दल बदल कर सत्ता का लाभ प्राप्त कर लेता है। मगर ऐसे में उनको वोट देने वाले मतदाता खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगते हैं। किसी पार्टी विशेष के पक्ष में मतदान कर चुनाव जिताने वाले लोगों को उस वक्त बड़ा झटका लगता है जब उन्हें पता लगता है कि उनके वोटों से जीता हुआ जनप्रतिनिधि उनके विरोधी दल की पार्टी में शामिल हो गया है। लगातार दल बदल की हो रही घटनाओं को लेकर लोगों में चर्चा है कि दल बदल विरोधी कानून को और अधिक मजबूत बनाया जाए ताकि जिस कार्यकाल के लिए जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुआ है। उस कार्यकाल में वह दलबदल नहीं कर सके और यदि वह दलबदल करता है तो उसकी सदस्यता समाप्त हो जाए। अक्टूबर 1967 में हरियाणा के एक विधायक गया लाल ने एक ही दिन में तीन बार दल बदलकर इस मुद्दे को राजनीति की मुख्यधारा में ला दिया था। उस दौर में आया राम गया राम की राजनीति देश में काफी प्रचलित हो चली थी। अंततः राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते 1985 में 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से देश में दलबदल विरोधी कानून पारित कर इसे संविधान की दसवीं अनुसूची में जोड़ा गया था। इस कानून का मुख्य उद्देश्य भारतीय राजनीति में दलबदल की कुप्रथा को समाप्त करना था। इस कानून के तहत किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अगर एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है या कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है या किसी सदस्य द्वारा सदन में पार्टी के रुख के विपरीत वोट किया जाता है या कोई सदस्य स्वयं को वोटिंग से अलग रखता है या छह महीने की अवधि के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। मगर अगर किसी पार्टी के एक तिहाई विधायक या सांसद दूसरी पार्टी के साथ जाना चाहें तो उनकी सदस्यता खत्म नहीं होगी। 2003 में इस कानून में संशोधन भी किया गया। जब ये कानून बना तो प्रावधान ये था कि अगर किसी मूल पार्टी में बंटवारा होता है और एक तिहाई विधायक एक नया ग्रुप बनाते हैं तो उनकी सदस्यता नहीं जाएगी। लेकिन इसके बाद बड़े पैमाने पर दल-बदल हुए और ऐसा महसूस किया गया कि पार्टी में टूट के प्रावधान का फायदा उठाया जा रहा है। इसलिए ये प्रावधान खत्म कर दिया गया। लगातार दलबदल से निपटने में कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 2003 में दसवीं अनुसूची में संविधान में निन्यानवे संशोधन का प्रस्ताव किया गया था। 16 दिसंबर 2003 को लोकसभा द्वारा और 18 दिसंबर 2003 को राज्यसभा द्वारा यह बिल पारित किया गया था। 1 जनवरी 2004 को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई और संविधान (निन्यानवे संशोधन) अधिनियम- 2003 को 2 जनवरी 2004 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया। 2003 के अधिनियम के अनुसार दलबदल विरोधी कानून में एक राजनीतिक दल को किसी अन्य राजनीतिक दल में या उसके साथ विलय करने की अनुमति दी गई है। बशर्ते कि उसके कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य विलय के पक्ष में हों। इस प्रकार इस कानून के तहत एक बार अयोग्य सदस्य उसी सदन की किसी सीट पर किसी भी राजनीतिक दल से चुनाव लड़ सकते हैं। दलबदल के आधार पर अयोग्यता संबंधी प्रश्नों पर निर्णय के लिये मामले को सदन के सभापति या अध्यक्ष के पास भेजा जाता है जो कि न्यायिक समीक्षा के अधीन होता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में संसद भवन में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की बैठक में दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ कि इस पर अंतिम निर्णय से पहले सभी हित धारकों जैसे पीठासीन अधिकारियों, संवैधानिक विशेषज्ञों और कानूनी विद्वानों के साथ विचार विमर्श किया जाए। केन्द्र सरकार को शीघ्र ही दलबदल पर पूरी तरह से रोक लगाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करनी चाहिये। सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिये जिसमें दल बदलने वाले सदस्य की सदस्यता हर हाल में समाप्त हो सके।

दुनिया के 10 खतरनाक नस्ल के कुत्ते

इन नस्ल के डॉग्स को पालना बन सकता है जान का खतरा, ले लेते हैं मालिक की जान

नई दिल्ली। लखनऊ से बीते दिनों एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई। यहां एक 80 साल की महिला की जान उसके बेटे के पालतू कुत्ते ने ले ली। अटैक के समय महिला कुत्ते के साथ अकेली थी। मौका मिलते ही कुत्ते ने महिला पर अटैक किया और उसकी छाती और मुंह पर झपट्टा मार उसकी जान ले ली। अटैक करने वाला कुत्ता पिटबुल था। आपको बता दें कि इस नस्ल के कुत्तों को बेहद खतरनाक माना जाता है। लेकिन दुनिया में मौजूद कुत्तों की ढेर सारी नस्ल में ये अकेला खतरनाक नस्ल नहीं हैं। आज हम आपको दुनिया में मौजूद खतरनाक कुत्तों की ऐसी 10 नस्ल के बारे में बताने जा रहे हैं। इन नस्ल के डॉग्स को पालना जान का खतरा भी बन सकता है। ऐसे में इन्हें घर लाने से पहले सावधान और सतर्क हो जाएं।

पिटबुल- इस लिस्ट में सबसे ऊपर इसी कुत्ते की ब्रीड का नाम आता है। ये बेहद आक्रामक होते हैं। इसका वजन आम तौर पर सोलह से तीस किलो के बीच होता है। आपको बता दें कि दुनिया के करीब 41 देशों में इस नस्ल को पालना बैन है। ये वैसे तो पालतू हैं लेकिन गुस्सा आ जाने पर ये किसी के नहीं होते। इसी ब्रीड के कुत्ते ने लखनऊ की बुजुर्ग महिला पर अटैक कर उसकी जान ले ली।

रॉट वेल्लर - कुत्तों की ये नस्ल अपनी फुर्ती के लिए जाने जाते हैं। ये बेहद शक्तिशाली हैं और किसी को भी झट से काट लेते हैं। इनका वजन 35 से 48 किलो के बीच होता है। इसे पालने पर भी कई देशों में प्रतिबन्ध लगा हुआ है। हालांकि, भारत में इसे कई घरों में पाला जाता है।

जर्मन शेफर्ड- इस ब्रीड के कुत्तों का इस्तेमाल ज्यादातर पुलिस विभाग में होता है। इनके जरिये कई क्रिमिनल्स को पकड़ा जा चुका है। ये अपराधियों की खुशबू पकड़ कर उन्हें पकड़वाने में मदद करते हैं। इनका वजन तीस से चालीस किलो के बीच होता है। ये भी कई देशों में प्रतिबंधित है। हालांकि, इसमें भारत शामिल नहीं है।

डाबरमैन पिन्स्चर- लिस्ट के चौथे नंबर पर है डाबरमैन पिन्स्चर। इनका भी इस्तेमाल पुलिस विभाग द्वारा किया जाता है, लेकिन इसके साथ ही घरों में भी इन्हें पाला जाता है। कुत्तों के बारे में कहा जाता है कि ये अजनबियों को देखते ही भड़क जाते हैं। इसके बाद मालिक पर नजर पड़ते ही शांत भी हो जाते हैं. इसे भी कई देशों ने प्रतिबंधित कर रखा है।

बुलमास्टिफ- ये कुत्ते आक्रामक स्वभाव के होते हैं। इनके पैर काफी लंबे होते हैं. बात अगर इनके वजन की करें, तो इनका वेट पच्चपन से साथ किलो के बीच होता है। ये कुछ-कुछ पिटबुल जैसे ही दिखते हैं।

हस्की- दिखने में बेहद क्यूट ये ब्रीड काफी इंटेलिजेंट होते हैं। वैसे तो इन्हें स्लेज डॉग कहते हैं जो पहाड़ों पर बर्फ के ऊपर गाड़ियां खींचते हैं, लेकिन जब इन्हें गुस्सा आता है तो ये बेहद आक्रामक हो जाते हैं। इनका वजन बीस से 27 किलो के बीच होता है।

मालाम्यूट- ये ब्रीड उत्तरी अमेरिका में मिलते हैं। ये भेड़ियों की तरह दीखते हैं। इनका वजन ज्यादा से ज्यादा पचास किलो तक जाता है। ये इंटेलिजेंट होने के साथ ही आक्रामक भी होते हैं।

वोल्फ हाइब्रिड- इस ब्रीड को भेड़िये और कुत्ते के मेल से बनाया गया है। इन पर ज्यादातर देशों में प्रतिबन्ध लगा हुआ है। ऐसा इसलिए ये किसी पर भी अटैक कर देते हैं। इनके अटैक की वजह से अभी तक कई मौतों की खबर आ चुकी है। इनका वजन 36 से 56 किलो तक जाता है।

बॉक्सर- इन्हें शिकारी कुत्ते भी कहा जाता है। ये अपने जबड़े से शिकार को 10 मिनट में नोच लेते हैं। इन्हें सिक्युरिटी के लिए पाला जाता है लेकिन कई बार ये अपने पालने वालों पर ही अटैक कर देते हैं। इनका वजन तीन से बत्तीस किलो तक जाता है।

ग्रेट डैन- इस नस्ल को ट्रेनिंग के बाद ही पाला जाता है। ये काफी आक्रामक होते हैं। अगर इन्हें बिना ट्रेनिंग के पाला गया तो ये आपकी जान ले लेंगे। इन्हें किलिंग मशीन के नाम से भी जाना जाता है। इनका वजन नब्बे किलो तक जाता है।

सोशल मिडिया पर खेत में बिलखते किसान का वीडियो हुआ वायरल

किसान सूखती धान की फसल बचाने के लिए बादलों से लगा रहा गुहार, पूर्वांचल में सूखे की स्थिति बारिश न होने से सूख रहीं धान की फसल

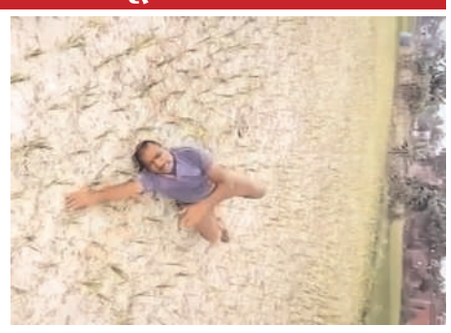

प्रखर भदोही। सोशल मीडिया पर धान के खेत में एक किसान बिलखता हुआ बादलों से फसल बचाने की अपील कर रहा है। किसान का यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो कहाँ का है यह पता नहीं चला है। लेकिन खेत में सुखती धान की फसल साफ नजर दिखती है। पूर्वांचल में सूखा पड़ गया है। बारिश नहीं हो रहीं है जिसकी वजह से खेतों में जहाँ धान की बेहन सुख रहीं है और रोपाई नहीं हो पा रहीं है। वहीं दूसरी तरफ किसी तरह रोपी गयी धान की फसल खेतों में सुख रहीं है। खेतों में दारारें पड़ गयी हैं। बारिश न होने जहाँ किसान बेहाल है। उसकी सारी मेहनत और उम्मीद टूट रहीं है। वहीं उमस और भीषण गर्मी की वजह से जीना मुश्किल हो गया है। सोशल मिडिया पर वायरल वीडियो कहाँ का है यह पता नहीं चल सका है लेकिन बिलखते किसान और उसकी पीड़ा से सभी परेशान हैं। यह वीडियो पूर्वांचल के किसानों की पीड़ा बयां कर रहा है। वाराणसी, भदोही, मिजार्पुर, सोनभद्र, जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया और दूसरे जिलों में बारिश नहीं हो रहीं है। किसान धान की फसल की जहाँ रोपाई नहीं कर पाया है। वहीं भदयीं खेती भी नहीं हो पायी है। बारिश न होने से किसान बेहाल है। सोशल मिडिया पर वायरल वीडियो पूर्वांचल के किस जनपद का है यह कहना मुश्किल है, लेकिन यह किसानों की दुर्दशा बतलाने में काफी है। वीडियो में किसान सुखती धान की फसल से लिपट कर बिलख रहा है। पानी के अभाव में खेत में दारारें पड़ गयी हैं।किसान रोते हुए कह रहा है कि 'अरे, मोर धनवा हो धनवा' बादलों से वह गुहार लगता और सीने को पीटता हुआ कह रहा है कि 'हे बादल राजा अब आप कब बरसोगे, आपने तो हमारी धान की फसल को निगल लिया'..गांव की बोली में वह चिल्लाता और रोता हुआ बादलों से गुहार लगा रहा है। यह पूर्वांचल के किसानों की सच्ची तस्वीर पेश कर रहा है। बारिश न होने से पूर्वांचल में सूखा पड़ गया है।

सावन माह में भगवान भोलेनाथ सभी की मनोकामना करते हैं पूर्ण- जय प्रकाश शर्मा

प्रखर सन्तकबीरनगर। सावन में भगवान शिव की उपासना का विशेष महत्व होता है सावन के सोमवार भगवान शिव की पूजा करने से मन की हर इच्छा पूरी हो सकती है।धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन का महीना भगवान शिव को बेहद प्रिय होता है।इस माह में विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा की जाती है मान्यता है कि सावन के सोमवार व्रत रखने से भोलेनाथ की कृपा से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है।ज्योतिष के अनुसार यदि श्रावण मास में अपनी राशि के अनुसार भगवान शिव जी की पूजा अर्चना की जाए तो महादेव शीघ्र ही प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद भी देते है। उक्त बातें उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष व समाजसेवी जय प्रकाश शर्मा ने कही उन्होंने कहा कि मान्यताओं के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि सावन के प्रारंभ से ही भगवान विष्णु अपनी सारी जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाते हैं। श्री विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता अपने दिव्य भवन पाताल लोक में विश्राम करने के लिए निकल जाते हैं और अपना सारा कार्यभार महादेव को सौंप देते है। इस माह में भगवान शिव माता पार्वती के साथ पृथ्वी लोक पर आते हैं और यहां आकर पृथ्वी वासियों के दुःख-दर्द को सुनते हैं व उनकी मनोकामना पूरी करते हैं। इसलिए खास होता है सावन का महीना और इस महीने में सभी की मनोकामनाएं जल्द पूरी होती है।श्री शर्मा ने कहा कि इस माह में जो लोग सच्चे मन से भोलेनाथ की पूजा अर्चना करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं जरुर पूरी होती है।

नगर पालिका परिषद रामनगर को नगर निगम में समाहित करने का जो प्रस्ताव नगर के युवा, बुजुर्ग एवं महिलाएं भी आगे आयीं और पालिका अध्यक्ष को फत्रक के माध्यम से विरोध दर्ज कराया

प्रखर वाराणसी। नगर पालिका परिषद रामनगर को नगर निगम में समाहित करने का जो प्रस्ताव जिला प्रशासन द्वारा शासन को भेजा है।इसकी जानकारी होने पर रामनगर की जनता में भारी आक्रोश है।इसमें आम जनता भी इस विलय के खिलाफ मुहिम छेड़ दी।इस मुहिम में नगर के युवा,बुजुर्ग एवं महिलाएं भी आगे आयीं और पालिका अध्यक्ष को फत्रक के माध्यम से विरोध दर्ज कराया।इसमें डॉ.अजीत यादव ने कहा कि यह रामनगर की जन भावना के साथ सत्ता पक्ष द्वारा राजनैतिक षडयंत्र रच कर खिलवाड़ किया जा रहा है।वहीं सौरभ आनंद ने कहा कि जनता शासन के इस निर्णय से बेहद खफा एवं असंतुष्ट हैं।क्योंकि वर्तमान में पालिका परिषद नगर में होने के कारण उनके सारे कार्य पालिका परिषद में सहजता से हो जाते हैं।अगर शासन द्वारा पालिका परिषद को नगर निगम में विलय कर देता है तो समस्त नगर वासियों को भारी भरकम कर का भुगतान करना होगा।युवराज ने कहा कि ज्यादातर परिवार का भरण-पोषण मजदूरी है एवं छोटे से छोटे काम के लिए नगर निगम,सिगरा का चक्कर लगाना पड़ेगा जो यहां की जनता यह सब नहीं झेल पाएगा तथा उनके साथ अन्याय वाली स्थिति को प्रकट करेगा।रोहित यादव ने कहा कि यह सभ सत्ता पक्ष के मिलीभगत के कारण हो रहा है।राहुल ने कहा कि इस विलय के खिलाफ हम सभी नगर वासियों का कर्तव्य है कि जनता को जागरूक कर इसका पुरजोर विरोध किया जाए।जिससे हम सभी नगर वासियों की अस्तित्व बचा रहे।पत्रक देने वाले में डॉ.अजीत यादव,सौरभ आनंद,राहुल यादव,सौरम सिंह,गोविन्द यादव,युवराज सिंह,रोहित यादव, नितेश अग्रहरि,प्रदीप कुमार,राजीव सिंह,अंकित चौरसिया,अभिषेक दुबे,राजा खान,अवधेश पाल आदि लोग रहे।

देश की सबसे विशाल गुफा, अंदर शिवलिंग पर टपकता है पानी

पाताल भुवनेश्वर से बड़ी है गुफा, युवाओं ने खोजी यह रहस्यमयी गुफा, इसमें उभरे हैं शेषनाग के चित्र नौ मंजिल बड़ी इस गुफा में पर्याप्त ऑक्सीजन

देहरादून/गंगोलीहाट। हमारे देश में कई प्राचीन रहस्य छिपे हुए हैं, जो आए दिन खोज के माध्यम से हमारे सामने आते हैं। इन रहस्यों के बारे में जानकर हैरानी तो होती है, साथ ही हमारे धर्म और संस्कृति के बारे में करीब से जानने का मौका भी मिलता है। ऐसे ही एक रहस्यमी गुफा की खोज उत्तराखंड में हुई है। इसे अब तक की सबसे बड़ी गुफा बताया जा रहा है। भारत के कोने-कोने में कई प्राचीनकाल की कई रहस्यमी चीजें छिपी हुई हैं, जो आए दिन खोजों के माध्यम से हमारे सामने आती हैं। ऐसी ही एक खोज ने इन दिनों लोगों को हैरान कर दिया है। दरअसल उत्तराखंड के गंगोलीहाट में एक बेहद विशाल गुफा मिली है। इस गुफा को काफी पुराना भी बताया जा रहा है। यही नहीं इस गुफा के अंदर का नजारा और चौंकाने वाला है। इस गुफा के अंदर एक शिवलिंग है, जिस पर अब भी पानी की बूंदें टपक रही हैं। इस नजारे को जिसने देखा वो दंग रह गया। बताया जा रहा है कि, यह गुफा 8 तल की है और इसमें कई पौराणिक चित्र भी उभरे हुए मिले हैं।

उत्तराखंड में मिली इस गुफा को लेकर ये दावा किया जा रहा है कि, ये मशहूर पाताल भुवनेश्वर गुफा से भी विशाल है। यही नहीं इस गुफा के अंदर शिवलिंग भी मिला है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस शिवलिंग पर चट्टानों से पानी भी गिर रहा है। गुफा की विशालता के साथ शिवलिंग पर गिर रहे पानी ने इस जगह को चर्चा में ला दिया है। इसे रहस्यमी गुफा इसलिए कहा जा रहा है कि, क्योंकि इतनी पुरानी होने के बाद भी यहां शिवलिंग पर अपने आप चट्टानों के जरिए पानी टपक रहा है। इस मैकेनिज्म को फिलहाल कोई समझ नहीं पाया है।

शैल पर्वत क्षेत्र की गुफाओं वाली घाटी गंगोलीहाट में स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ हाटकालिका मंदिर से करीब एक किमी दूर मिली इस गुफा को 4 युवाओं ने खोजा है। गंगोलीहाट के गंगावली वंडर्स ग्रुप के सुरेंद्र सिंह बिष्ट, ऋषभ रावल, भूपेश पंत और पप्पू रावल जब इस गुफा में पहुंचे तो इसके विशालकाय आकार को देखकर दंग रह गए। वे गुफा के अंदर करीब 200 मीटर तक गए और प्राकृतिक रूप से बनी सीढ़ियों के जरिए गुफा के 8 तल (मंजिल) नीचे तक गए। बताया जा रहा है कि, इस गुफा में 9वां तल भी था लेकिन वे वहां नहीं पहुंच पाए।

इस गुफा को महाकालेश्वर नाम दिया गया है। इस गुफा में भी चट्टानों पर पौराणिक आकृतियां उभरी हुई हैं। यहां शेषनाग समेत अनेक देवी-देवताओं के चित्र भी उभरे हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि गुफा के अंदर बने शिवलिंग की आकृति पर चट्टान से पानी गिर रहा है। इतनी लंबी गुफा होने के बाद भी यहां पर्याप्त ऑक्सीजन है, यह गुफा 150 मीटर गहरी पाताल भुवनेश्वर से भी बड़ी बताई जा रही है। ऐसे में भविष्य में इस गुफा को भी पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करके पर्यटकों का ध्यान खींचा जा सकता है।

सोने का यूरेका टॉवर है काफी खूबसूरत

ऑस्ट्रेलिया की विविध खूबसूरत इमारतों में है एक दुनियाभर से आने वाले सैलानी इसका करते हैं दीदार

ब्रिसबेन। आपने शायद ऑस्ट्रेलिया के बेहद खूबसूरत और सबसे अलग टॉवर का नाम शायद ही सुना होगा तो कोई बात नहीं है हम आपको बताते हैं इसकी खासियत के बारें में। ऑस्ट्रेलिया की विविध खूबसूरत इमारतों में यूरेका टॉवर का एक अहम स्थान है।

दुनियाभर से सैलानी जब मेलबर्न की सैर करने ऑस्ट्रेलिया आते हैं, तो यूरेका टॉवर की खूबसूरती और उसकी भव्यता को निहारे बगैर नहीं रहते। वर्ष 2002 अगस्त में इसका बनना शुरू हुआ था और यह इमारत वर्ष 2006 में बनकर बिल्कुल तैयार हो चुकी थी। 11 अक्टूबर 2006 को विधिवत इस इमारत को आम लोगों के सामने लाया गया और जिसने भी इसे एक बार देखा वो देखता ही रह गया। जब इसका निर्माण पूरा हुआ उस समय यह दुनिया की सबसे ऊंची और रिहायशी इमारतों में से एक मानी जाती थी। खास बात यह है कि इस टॉवर ग्लास विंडोज में 24 कैरेट खरे सोने का उपयोग किया गया है। 2005 में इस इमारत के समीप ही एक कम्यूनिकेशन मास्ट आब्जर्वेशन सपोर्टिंग टॉवर के निर्माण की योजना पेश की गई है, जो विचाराधीन है। इस टॉवर को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिहाज से भी खासी तकनीकों से बनाया गया है। इसमें 91 मंजिले हैं। इसके पहले 9 फ्लोर्स का इस्तेमाल तो सिर्फ वहां रहने वालों की कार पार्किंग के लिए किया जाता हैये टॉवर बिल्कुल ट्रांसपेरेंट भी है और यह पुरा ग्लास का बनाया गया है। जब आप इसमें से निकल कर जायेंगे तो बाहर की सारी दुनिया का नजारा भी देख सकते हैं।

'वागले की दुनिया' दर्शकों को काफी पसंद

इंदौर। सोनी सब का शो वागले की दुनिया दर्शकों को काफी पसंद आया है और इसे प्रासंगिक वर्णन के लिये खूब तारीफें मिली हैं। कल्ट क्लासिक के नये रूप को भी दर्शकों ने उतना ही पसंद किया है, क्योंकि उसमें एक मध्यम-वर्गीय परिवार की रोजमर्रा की जिन्दगी और जिन्दगी के उतार-चढ़ाव दिखाए गए हैं। घर की चाबी रखना, जो दिल के करीब होती है, एक सास का अपनी नई बहू को अलमारी की चाबी सौंपना, यह सब काम कई भावनाओं के प्रतीक होते हैं। यह विश्वास, जिम्मेदारी, सफलता, ताकत, आदि के प्रतीक होते हैं। वागले की दुनिया के आने वाले एपिसोड्स में हम देखेंगे कि नन्हा अथर्व घर की चाबी रखने के महत्व को कैसे समझता है, जब उसे घर के बाहर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है कि कोई आये और दरवाजा खोले। फिर वह घर की चाबियों की मांग करता है, जैसे कि सभी के पास हैं। उसके पेरेंट्स उसे चाबी देने से हिचकते हैं, लेकिन वंदना अपने उस ज्ञान को परखने का फैसला करती है, जो उसने अपनी मॉडर्न पेरेंटिंग की बुक में पढ़ा है। वंदना अथर्व के लिये एक शर्त रखती है और कहती है कि उसे चाबियाँ पाने के लायक बनना होगा और खुद की काबिलियत को साबित करने के लिये जिम्मेदारी के पाँच काम करने होंगे। इस मिशन में अथर्व के सामने झूठ बोलकर या धोखा देकर जिम्मेदारियों से बचने के विकल्प होते हैं, लेकिन वह ऐसा नहीं करता है। आखिरकार वह जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाता है और सजा का इंतजार करता है। लेकिन उसके सरप्राइज के लिये वंदना के पास कुछ और ही है। वंदना की भूमिका निभा रही परिवा प्रणति ने कहा, पेरेंटिंग कोई आसान काम नहीं है, बच्चे कई कामों में अयोग्य हो सकते हैं और खीज सकते हैं, लेकिन उन्हें यह सब चतुराई से सिखाना पेरेंट्स के तौर पर हमारे लिये एक बड़ी जिम्मेदारी होती है।

हंसगुल्ले

खूब बारिश हो रही थी, गर्लफ्रेंड से झगड़ा हो गया था।
मैं नदी के पास उदासी में बैठे-बैठे पानी में पत्थर मार रहा था।
तभी एक मेढक निकला और बोला...
पानी में आ तो तेरी उदासी उतारू
अपनी वाली के चक्कर में तूने मेरी वाली का सिर फोड़ दिया?

हवा की लहर बनकर, तू मेरी खिड़की न खटखटा,
मैं बंद कमरे में बैठा हू... तूफान से सटा.
यहां कवि गर्लफ्रेंड को बता रहा है मिस कॉल मत देना, बीवी पास बैठी है...

टीटू- मम्मी आप कहती हैं कि परियां उड़ती हैं, फिर पड़ोस की आंटी क्यों नहीं उड़ती ?
मम्मी- वह कब से परी हो गई ?
टीटू- पापा ही तो आंटी को परी कहते हैं...
मम्मी- तो फिर बेटा आज वो परी भी उड़ेगी और तेरे पापा भी.

संता- चल बता जेल को हिन्दी में हवालात क्यों कहते हैं...
बंता- सिम्पल है यार... क्यों की वहां सिर्फ 'हवा' और 'लात' खाने को मिलती है...

दुनिया की वो जेल जहां रहते हैं 'नरपिशाच'

मरे हुए कैदियों की लाश खाकर करते हैं पार्टी, हर दिन मरते हैं आधा दर्जन कैदी

रवांडा। रवांडा के गीतारामा जेल को दुनिया के सबसे घटिया और डरावने जेल में गिना जाता है. एक तो यहां सलाखों में कैदी क्षमता से ज्यादा भरे होते हैं। दूसरा यहां के कैदियों की हरकत इसे डरावना बना देता है। दुनिया के हर देश की सरकार कोशिश करती है कि उसके यहां क्राइम की दर सबसे कम हो। इसके लिए कई कड़े नियम बनाए जाते हैं। इन नियमों को तोड़ने वाले को सजा दी जाती है। ये सजा फाइन से लेकर मौत तक की हो सकती है, लेकिन ज्यादातर मामलों में कैदियों को जेल में बंद कर इन्हें सुधरने का मौका दिया जाता है, लेकिन आज हम आपको जिस जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, वहां रहने वाले कैदी शायद ही कभी सुधरेंगे। इसकी जगह जेल में रहते हुए ये और भी ज्यादा खौफनाक बन जाते हैं। हम बात कर रहे हैं रवांडा के गीतारामा जेल की।

गीतारामा जेल को धरती की उन जगहों में से एक माना जाता है, जो नर्क के बराबर है। इस ब्रूटल जेल को रवांडा के कैपिटल किगली में बनाया गया था। इसका निर्माण 1960 में हुआ था. सबसे पहले इसे ब्रिटिश मजदूरों के रहने के लिए बनाया गया था, लेकिन बाद में इसे जेल में बदल दिया गया। इस जेल की क्षमता चार सौ कैदियों की है, लेकिन इस वक्त ओस जेल में सात हजार से ज्यादा कैदी बंद हैं। ये आंकड़ा तो कुछ नहीं है। जब 1990 में रवांडा जेनोसाइड हुआ था, तब यहां करीब पचास हजार कैदी ठूस दिए गए थे। इस जेल में हमेशा से कैदियों को जानवरों की तरह ठूस दिया जाता है। यहाँउनके बैठने तक की जगह नहीं होती। कई कैदी तो टॉयलेट्स में भरे रहते हैं। जेल के कमांडर ने भी माना कि इस जेल में कई कैदी बेगुनाह हैं। इसके बाद भी उन्हें यूं नर्क भोगना पड़ता है, लेकिन कुछ कैदी खूंखार हैं। उन्हें जानवरों का ट्रीटमेंट मिले ये बहुत जरुरी है, लेकिन ये कैदी जेल की सजा पाकर सुधरते नहीं है। उसकी जगह ये और भी ज्यादा खूंखार बन जाते हैं।

द रेड क्रॉस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जेल में रहने वाले कैदियों में हर दिन 6 की मौत हो जाती है। इन कैदियों को हर दिन खाने के लिए कम भोजन दिया जाता है. इस वजह से ये आपस में ही लड़ाई कर बैठते हैं। कई कैदी खुद से कमजोर का खाना छीनकर खा जाते हैं। जब इसकी शिकायत करो तो उन्हें बेरहमी से मारा जाता है। कई कैदियों ने तो ये भी मना है कि जब इस जेल में किसी कैदी की मौत हो जाती है तो दूसरे उसकी लाश को खा जाते हैं । खबर के मुताबिक, जेल के कैदियों को नाममात्र खाना दिया जाता है। इस कारण कई बार तो जिन्दा कैदी की ही स्किन दांत से काटकर कुछ कैदी खा जाते हैं।

पुलिस ने शहर के बीचो-बीच जलाया 16 सौ किलो गांजा

धुंए से हो गया लोगों का ऐसा हाल

नई दिल्ली। कोलंबिया में पुलिस ने करीब सोलह सौ किलो गांजा बरामद करने में सफलता हासिल की, लेकिन इसके बाद उन्होंने गांजे का जो किया, उससे पूरा शहर परेशान हो गया। पुलिस का काम जनता की हिफाजत करना है. अगर किसी तरह की समस्या है, तो पुलिस उससे जनता को निजात दिलाने की कोशिश करती है, लेकिन क्या हो अगर पुलिस की ही वजह से जनता मुसीबत में पड़ जाए? बीते दिनों कोलंबिया में पुलिस ने ड्रग्स को लेकर एक बड़ी सफलता हासिल की। उन्होंने करीब सोलह सौ किलो गांजा बरामद किया, लेकिन इसके बाद उन्होंने जो काम किया,उसने पूरे शहर की जनता को परेशान कर दिया। पुलिस ने बरामद किये गए गांजे को आग लगा दी। इस आग से निकले धुंए ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया। हर तरफ ड्रग्स की गंध वाली हवा फैल गई। लोगों को अपने घर से बाहर आना पड़ा. लेकिन घर के अंदर भरे धुंए के साथ ही बाहर भी उन्हें सुकून नहीं मिल पाया। हवा में घुली गांजे की तेज बदबू ने लोगों को परेशान कर दिया. जिस मात्रा में गांजा जलाया गया था, उसकी वजह से हवा में धुंए का गुब्बारा नजर आया। इसकी कई तस्वीरें लोगों ने खींच कर सोशल मीडिया पर शेयर कर दी, जहां से ये वायरल हो गया। इस घटना की वजह से कुछ देर के लिए पूरा टाउन थम सा गया था। वहां रहने वाले रेसिडेंट एदिलबर्टो कस्तानो ने लोकल टीवी कारकल को बताया कि धुंए की वजह से कई लोगों को सफोकेशन होने लगी थी। गांजे की महक काफी तेज थी। कुछ लोगों को पहले लगा कि शायद पास के झाड़ियों में आग लगने की वजह से ये धुआं फैला था. लेकिन बाद में मेयर के ऑफिस से जारी बयान ने कंफर्म किया कि ये असल में बरामद गांजे में लगाई आग स एनीकला धुआं है।

माधवन हुए गौरवान्वित वेदांत ने तोड़ा तैराकी का रिकार्ड

चेन्नई (आईएएनएस)। अभिनेता माधवन के बेटे वेदांत माधवन ने तैराकी में 1500 मीटर राष्ट्रीय जूनियर रिकार्ड तोड़ा है, जिससे उनके पिता काफी खुश हैं। घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया पर माधवन ने कहा, भगवान की कृपा और आपके सभी आशीर्वाद के साथ, वेदांत ने राष्ट्रीय जूनियर एक्वाटिक मीट में 1500 मीटर फ्रीस्टाइल के अपने पहले मीट रिकार्ड को तोड़ दिया। उन्होंने एक्वेटिक मिट के लाइव प्रसारण के लिए एक लिंक भी पोस्ट किया और कहा,

48वीं जूनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप 2022 (फाइनल)।

1500 मीटर जूनियर नेशनल फाइनल में वेदांत। अभी लाइव। कृपया देखें। उन्होंने यह भी लिखा, कभी नहीं कहो कभी नहीं। 1500 मीटर फ्रीस्टाइल के लिए राष्ट्रीय जूनियर रिकार्ड टूटा। यह पहली बार नहीं है जब वेदांत ने तैराकी में पदक जीता है। इस साल की शुरूआत में, इस युवा खिलाड़ी ने कोपेनहेगन में डेनिश ओपन में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर देश का नाम गौरवान्वित किया। पिछले साल, 16 वर्षीय तैराक ने बंगलौर में आयोजित 47वीं जूनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप में चार रजत पदक और तीन कास्य पदक जीते थे। इससे पहले पिछले साल मार्च में, वेदांत ने लातवियाई ओपन स्विमिंग चैंपियन में कांस्य पदक जीता था।

केदारनाथ राम मंदिर के रूप में तैयार की जा रही कांवड़

हरिद्वार (आईएएनएस)। कोरोना के कारण 2 साल से बंद कांवड़ यात्रा इस साल उत्तराखंड में सारे रिकार्ड तोड़ने जा रही है। शासन प्रशासन अनुमान से ज्यादा कांवड़ियों के आने की संभावना जता रहे हैं। दूसरी तरफ कांवड़ बनाने वाले कारीगर भी काफी उत्साहित हैं। कांवड़ियों द्वारा कांवड़ बनवाने के लिए भी दिल खोल कर खर्चा किया जा रहा है। इस बार कांवड़ियों द्वारा अलग-अलग तरह की कांवड़ बनाने के लिए दूर-दूर से कारीगरों को बुलाया गया है। ऐसे ही एक कलाकार रमेश कुमार साहू मुरादनगर से हरिद्वार पहुंचे। रमेश कुमार मंदिरों की विशेषता के रूप में कांवड़ तैयार करते हैं। रमेश कुमार साहू का कहना है कि 2 साल से कोरोना के कारण बंद कावड़ यात्रा अब इस बार उत्साह और जोश के साथ शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि वह लगातार कांवड़ मेले में कार्य कर रहे हैं, लेकिन इतना उत्साह कावड़ियों में उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। रमेश कुमार साहू ने मल्लिकार्जुन, काशी विश्वनाथ और नेपाल में स्थित पशुपतिनाथ, राम मंदिर जैसे दिखने वाले कांवड़ का निर्माण किया है। रमेश कुमार साहू ने बताया कि ऐसी हर कांवड़ का अलग-अलग रेट है। ये कांवड़ 75 हजार रूपए से शुरू होकर लगभग 4 लाख रुपए तक होती है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ मंदिर और पशुपतिनाथ जैसे मंदिरों का रेट 75 हजार रुपए से शुरू है। वहीं, राम मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर की कांवड़ इन दिनों काफी ट्रेंडिंग में है। उनकी कीमत डेढ़ लाख के करीब है। वहीं, गौतमबुद्ध नगर से आए कांवड़ियों का कहना है कि वे 2013 में भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिरूप की कांवड़ ले गए थे। उसके बाद से लगातार हर वर्ष कांवड़ लेने आते रहे हैं। कांवड़ियों का कहना है कि उनके लिए रुपए के खर्च की कोई सीमा नहीं है। मन में भगवान शिव की आस्था है, इसलिए गर्मी और धूप के बावजूद इतनी कठिन यात्रा बिना किसी परेशानी से पूरा कर लेते हैं।

- 75 हजार से 4 लाख है कीमत
- 2013 में भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिरूप की कांवड़ ले गए थे

पहले सोमवार को शिवालयों में लगी भीड़

लखनऊ (आईएएनएस)। सावन के पहले सोमवार को यूपी के सभी शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। पहले सोमवार को वाराणसी में गंगा नदी में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर शिव का जलाभिषेक किया। भक्तों ने गंगा घाटों पर डुबकी लगाकर सुख समृद्धि की कामना की। शिव मंदिरों में सुबह को हर-हर, बम-बम की गूंज सुनाई दी। इसके साथ ही बाराबंकी के लोधेश्वर, लखीमपुर के गोकर्णनाथ, कानपुर के परमट, समेत अनेक शिवमंदिर में भक्त सुबह से ही पूजा अर्चना कर लोगों की सलामती की दुआ कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम का नव्य-भव्य स्वरूप लोकार्पित होने के बाद यह पहला सावन है। शिव भक्ति के इस पावन मास के पहले सोमवार को पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए शिव भक्तों के लिए सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। इसमें दिव्यांगजनों व वृद्धजनों का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। इनके लिए ई-रिक्शा का इंतजाम किया गया है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार श्रावण का महीना शुरू होते ही शिव भक्त कांवड़िए हरिद्वार, ऋषिकेश, गौमुख से गंगाजल भरकर नंगे पैर दौड़ते और बम-बम भोले का उद्घोष करते हैं। श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर में भगवान शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और नंदी की पूजा करने का विधान है। श्रीकाशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. राम नारायण द्विवेदी के अनुसार सावन के महीने में शिवलिंग का जलाभिषेक कर ऊं नमः शिवाय का जाप करने मात्र से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और भोलेनाथ अपने भक्त का कल्याण करते हैं।

शिव मंदिरों में सुबह को हर-हर, बम-बम की गूंज सुनाई दी

चिंटू अंकल, रणबीर के साथ काम करना सौभाग्य : करण

मुंबई (आईएएनएस)। दिवंगत दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के साथ 'अग्निपथ' और उनके अभिनेता बेटे के साथ आगामी फिल्म 'शमशेरा' में काम कर चुके फिल्मकार करण मल्होत्रा पिता-पुत्र के साथ काम करने को लेकर खुद को भाग्यशाली मानते हैं और उन्होंने खुलासा किया कि वो दोनो भिन्न हैं फिर भी बहुत हद तक एक जैसे हैं। करण कहते हैं, मैं खुशकिस्मत हूं कि मैंने चिंटू अंकल और रणबीर दोनों के साथ काम किया है, वे इतने अलग थे फिर भी एक जैसे। जबकि चिंटू अंकल के साथ हम रऊफ लाला के चरित्र चाप पर बहस करेंगे, लड़ेंगे और कई चर्चा करेंगे। हमने एक-दूसरे पर जो चुनौतियां डाली, उन्होंने ही चरित्र को बड़ा बनाया। मुझे हर दिन उनके साथ सेट पर किए गए पागलपन की याद आती है। तो उस विचार के साथ, शमशेरा में रणबीर के साथ काम करना बेहद आनंददायक रहा है। उन्होंने चरित्र को अपना सब कुछ दिया है और अब मैं दर्शकों द्वारा उस जादू को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता जो उन्होंने स्क्रीन पर बनाया है। 'शमशेरा' की कहानी काजा के काल्पनिक शहर पर आधारित है, जहा एक योद्धा जनजाति को एक क्रूर सत्तावादी जनरल शुद्ध सिंह द्वारा कैद, गुलाम और प्रताड़ित किया जाता है।

साजिद के साथ काम करेंगे कार्तिक

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की फिल्म में काम करते नजर आएंगे। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म भूल भुलैया 2 को बाक्स आफिस पर मिली शानदार सफलता के बाद से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। चर्चा थी कि, साजिद नाडियाडवाला जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ अपने एक बड़े प्रोजेक्ट का एलान कर सकते हैं। अब मेकर्स ने प्रोजेक्ट का आधिकारिक एलान कर दिया है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं।साजिद नाडियाडवाला ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर साझा कर दी है, जिसमें फिल्म निर्देशक कबीर खान, कार्तिक आर्यन और साजिद नाडियाडवाला नजर आ रहे हैं। साजिद नाडियाडवाला ने लिखा, हम अपने अगले प्रोजेक्ट का एलान कर खुश हैं। कबीर खान द्वारा निर्देशित और कार्तिक आर्यन अभिनीत फिल्म अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर आएगी। बताया जा रहा है कि साजिद नाडियाडवाला का यह प्रोजेक्ट एक सच्ची घटना पर आधारित होगा, जिसे कई देशों में शूट किया जाएगा।

'बजरंगी भाई जान' के सीक्वल का नाम होगा 'पवन पुत्र भाईजान'

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की सुपरहिट फिल्म बजरंगी भाई जान के सीक्वल का नाम पवन पुत्र भाईजान होगा। कबीर खान द्वारा निर्देशित सलमान खान की ब्लाकवस्टर फिल्म बजरंगी भाईजान की रिलीज के सात साल पूरे हो गए हैं। इस फिलम की कहानी केवी विजयेंद्र प्रसाद द्वारा लिखी गई थी, जो इस समय फिल्म के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। विजयेंद्र प्रसाद ने कहा, बजरंगी भाई जान की कहानी लिखते समय मेरे मन में किसी का भी ख्याल नहीं था.. मैंने सलमान को कहानी की रूपरेखा सुनाई है और पसद आई। अगली कड़ी पहले भाग की निरंतरता होगी। हां, बजरंगी भाईजान 2 में कहानी 8 से 10 साल का लीप लेती है। मुझे उम्मीद है कि सीक्वल पहले भाग से कम नहीं होगा। सीक्वल का नाम पवन पुत्र भाईजान है।

मुर्गा के अंडे से कोविड एंटीबाडी का उत्पादन

■ न्यूयार्क (आईएएनएस)।

अमेरिका में शोधकर्ताओं की एक टीम ने मुर्गी के अंडे में सार्स-सीओवी-2 स्पाइक प्रोटीन के प्रति एंटीबाडी का उत्पादन किया है। जर्नल वाइरस में प्रकाशित पेपर में शोधकर्ताओं ने कहा कि अंडों से निकाली गई एंटीबाडी का इस्तेमाल कोविड-19 के इलाज के लिए या बीमारी के संपर्क में आने वाले लोगों के लिए एक निवारक उपाय के रूप में किया जा सकता है। पक्षी एक प्रकार का एंटीबाडी उत्पन्न करते हैं जिसे आईजीवाई कहा जाता है, जो मनुष्यों और अन्य स्तनधारियों में आईजीजी के बराबर होता है। आईजीवाई, जो मनुष्यों में इंजेक्शन लगाने पर एलर्जी का कारण नहीं बनता है या प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बंद नहीं करता है, पक्षियों के सीरा और उनके अंडों दोनों में दिखाई देता है।

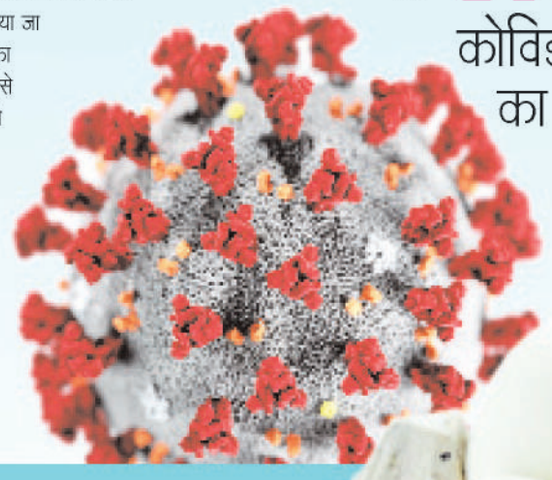

प्रतिरक्षित मुर्गियों के अंडे और सीरा दोनों में होते हैं एंटीबाडी

टीम ने सार्स-सीओवी-2 स्पाइक प्रोटीन या रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन के आधार पर तीन अलग-अलग टीकों की दो खुराक के साथ मुर्गियों का टीकाकरण किया। उन्होंने अंतिम टीकाकरण के तीन और छह सप्ताह बाद मुर्गियों और अंडे की जर्दी के रक्त के नमूनों में एंटीबाडी को मापा। मानव कोशिकाओं को संक्रमित करने से कोरोना वायरस को रोकने की उनकी क्षमता के लिए शुद्ध एंटीबाडी का परीक्षण किया गया। प्रतिरक्षित मुर्गियों के अंडे और सीरा दोनों में एंटीबाडी होते हैं जो सार्स-सीओवी-2 को पहचानते हैं। गैलार्डो ने कहा कि सीरम से एंटीबाडी वायरस को बेअसर करने में अधिक प्रभावी थे, शायद इसलिए कि रक्त में अधिक एंटीबाडी हैं।

गैलार्डो अंडे पर आधारित एंटीबाडी तकनीक विकसित करने के लिए स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी, सिडनी के सहयोगियों के साथ काम कर रहे हैं। टीम इन एंटीबाडी को सस्ते जैसे निवारक उपचार में तैनात करने की उम्मीद करती है, जिसका उपयोग कोरोना वायरस के जोखिम के उच्च जोखिम वाले लोगों द्वारा किया जा सकता है।

एक मुर्गी एक वर्ष में देती है लगभग 300 अंडे

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय-डेविस के शोधकर्ताओं ने कहा कि एक मुर्गी एक वर्ष में लगभग 300 अंडे देती है, इसलिए आप बहुत सारे आईजीवाई प्राप्त कर सकते हैं। यूसी डेविस स्कूल ऑफ वेटरनरी मेडिसिन में जनसंख्या स्वास्थ्य और प्रजनन विभाग में पोल्ट्री मेडिसिन में प्रोफेसर, रोड्रिगो गैलार्डो ने कहा, मुर्गियों में इन एंटीबाडी का उत्पादन करने के लिए कम लागत के अलावा, हाइपरइम्यूनाइज्ड मुर्गियों के लिए अद्यतन एंटीजन का उपयोग करके उन्हें बहुत तेजी से अद्यतन किया जा सकता है, जिससे मौजूदा प्रकार के उपभेदों के खिलाफ सुरक्षा की अनुमति मिलती है।

नस्लवादी लोगों से बुली होने के बाद घुंगराले बाल हटाए

■ लॉस एंजेलिस (आईएएनएस)।

गायक पीटर आंद्रे को बचपन में अपने बालों को सीधा करने के लिए मजबूर किया गया था, जब उन्हें नस्लवादी धमकियों से जीवन भर के लिए जख्मी कर दिया गया था। मिरर डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, गायक ने दिल दहला देने वाले कारण के बारे में बात की है कि उन्हें अपने दिखने के तरीके में बदलाव क्यों करना पड़ा।

■ पीटर ने कहा, हमें बहुत नस्लवाद का सामना करना पड़ा

उन्होंने कहा कि, जब वह बड़े हो रहे थे तो ऑस्ट्रेलिया में चीजें इतनी खराब हो गई कि उनके पास अपने कर्ल हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। पीटर को तब निशाना बनाया गया जब उसका साइप्रस-यूनानी परिवार ब्रिटेन से नीचे रहने के लिए चला गया। कैरल वॉर्डरमैन की 'लाइफ चेंजिंग स्टोरीज द प्राइड ऑफ ब्रिटेन' पॉडकास्ट पर बात करते हुए, आंद्रे ने साझा किया कि उनके लिए कितनी बुरी चीजें हुई कि उन्हें अपने बालों को सीधा करना पड़ा।

उन्होंने शो में कहा, 'हमें बहुत नस्लवाद का सामना करना पड़ा। न केवल हम गोल्ड कोस्ट पर केवल यूनानी थे, बल्कि मेरे पास एक अंग्रेजी उच्चारण, घुंघराले बाल, एक बड़ी नाक थी और हम वास्तव में बाहर खड़े थे। मैं अभी भी सीधा करता हूं बाल क्योंकि घुंघराले बाल मुझे उस छोटे बच्चे की याद दिलाते हैं। आंद्रे ने पिछले हफ्ते पुष्टि की थी कि, वह अगले साल नया संगीत पेश करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने प्रशंसकों को वर्षों के इंतजार के बाद 2023 में एक नया एल्बम देने का वादा किया और कहा कि वह स्टूडियो में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। 'मिस्टीरियस गर्ल' हिटमेकर अपने बच्चों को सफल होने के अपने अभियान को मजबूत रखने का श्रेय देते हैं।

एक्शन करती नजर आएंगी तारा

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया अपनी आने वाली फिल्म 'अपूर्वा' में जबरस्त एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म अपूर्वा को निखिल नागेश भट्ट निर्देशित करेंगे। इस थ्रिलर फिल्म में तारा एक्शन अवतार में नजर आ सकती हैं। फिल्म को मुराद खेतानी और स्टार स्टूडियोज मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। तारा सुतारिया ने कहा, मैं अपने करियर में इससे बेहतर स्क्रिप्ट की मांग नहीं कर सकती थी। अपूर्वा का किरदार निभाने के बारे में सोचकर ही मुझे खुद पर गर्व होता है। मैं खुश हूं कि मैं पर्दे पर एक ऐसी महिला की कहानी पेश करने जा रही हूं जो अपनी बुद्धि और साहस से उन लोगों का सामना करेगी जो उसकी जान के पीछे पड़े हैं। निखिल नागेश भट्ट ने कहा, मैं सबसे पहले तो इस फिल्म के प्रोड्यूसर मुराद खेतानी का शुक्रिया अदा करना चाहता हू जो उन्होंने इस स्क्रिप्ट पर और बतौर निर्देशक मुझ पर भरोसा जताया। यह एक ऐसी स्क्रिप्ट है जो सभी दर्शकों को हैरान कर देगी।

ओटीटी सीरीज डेब्यू को लेकर रोमांचित हैं काजोल

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री काजोल ओटीटी सीरीज डेब्यू को लेकर बेहद रोमांचित है। काजोल जल्द ही ओटीटी पर डिजिटल सीरीज डेब्यू करने जा रही हैं काजोल डिज्नी हाटस्टार के नए प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। काजोल ने कहा कि वह डिजिटल प्लेटफार्म के साथ एसोसिएशन को लेकर काफी रोमांचित हैं। काजोल ने कहा कि ओटीटी पर एक आर्टिस्ट अपनी क्षमताओं को अच्छे से परफार्म कर सकता है। काजोल ने कहा, नई चीजों को एक्सप्लोर करना हमेशा से ही एक चुनौती रही है, लेकिन यह अच्छी बात है क्योंकि मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मैं डिजिटल सीरीज की बहुत बड़ी फैन हूं और इनका कान्सेप्ट हमेशा दिलचस्प होता है। आर्या और रूद्र देखने के बाद मुझे पता था कि मेरी सीरीज जर्नी की शुरुआत के लिए डिज्नी हाटस्टार से बेहतर कोई प्लेटफार्म नहीं हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

पेट्रोल पंप पर बाइकर्स कैफे

नई दिल्ली। पेट्रोल पंपों पर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर इंडियन आयल ने अपने पेट्रोल पंपों पर ग्राहक सेवाओं में इजाफा किया है। इंडियन आयल ने पिछले दिनों अपने यूनीक बाइकर्स कैफे की शुरुआत की है। शिमला के पास शोगी में खुला ये कैफे बाइक से ट्रैवल करने वाले लोगों की जरूरतों को पूरा करेगा। कंपनी ने हिमाचल प्रदेश में अपने सबसे लोकप्रिय पेट्रोल पंपों में से एक को बाइकर्स कैफे में बदला है। कैफे में मोटरसाइकिल पार्किंग से लेकर रेस्टिंग एरिया है। इसके अलावा यहां कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कंपनी ने पंप की अतिरिक्त जमीन पर यह सुविधाएं विकसित की हैं।

रेलवे को स्टील देगी जिंदल

नई दिल्ली। जिंदल स्टेनलेस जम्मू-कश्मीर में भारतीय रेलवे की उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) सुरंग परियोजना के लिए 3,500 टन स्टेनलेस स्टील की आपूर्ति करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह परियोजना जम्मू- कश्मीर के बीच 272 किलोमीटर लंबा रेल लिंक है। इसमें कहा गया कि यह पहली बार होगा जब भारतीय रेलवे की परियोजना में स्टेनलेस स्टील केबल ट्रे का इस्तेमाल किया जाएगा। जेएसएल में प्रबंध निदेशक (जिंदल स्टेनलेस) अभ्युदय जिंदल ने कहा कि यूएसबीआरएल जम्मू-कश्मीर के आर्थिक परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगी। यूएसबीआर को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित किया गया है और आजादी के बाद से यह पहाड़ी क्षेत्रों में रेलवे की सबसे बड़ी परियोजना है।

सीईएसएल का करार

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कनवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लि. (सीईएसएल) ने अगले पांच साल में 70,000 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन खरीदने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी श्री व्हील्स यूनाइटेड के साथ गठजोड़ किया है। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लि. (ईईएसएल) की पूर्ण अनुषंगी सीईएसएल ने इस संदर्भ में इलेक्ट्रिक वाहनों के वित्तपोषण में विशेषज्ञता रखने वाली श्री व्हील्स यूनाइटेड (टीडब्ल्यूयू) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीईएसएल ने बयान में कहा कि कंपनी पांच साल में 70,000 इलेक्ट्रिक तिपहिया खरीदेगी। इसे विभिन्न चरणों में देश के विभिन्न भागों में उपलब्ध कराया जाएगा। शुरू में यात्री और माल ढुलाई श्रेणियों में तिपहिया वाहनों की खरीद औसतन क्रमशः तीन और 3.5 लाख रुपए में की जाएगी। इसे बेंगलुरु और दिल्ली में उपयोग में लाया जाएगा।

रैटेन के नए एमडी

नई दिल्ली। रैटेन इंडिया पावर ने ब्रजेश गुप्ता को कंपनी का नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। गुप्ता के पास अमेरिका समेत कई देशों में काम करने का अच्छा अनुभव है। गुप्ता के पास औद्योगिक क्षेत्र में कार्य करने का पिछले तीन दशकों का अनुभव है। उनके पास नवीकरणीय ऊर्जा, स्टील, माइनिंग और कमोडिटी के क्षेत्र में देश और विदेश में कार्य करने का अनुभव है। रैटेन ज्वाइन करने से पहले ब्रजेश गुप्ता अडाणी, एस्सार, वेलस्पन व कई अन्य ग्रुपों में काम कर चुके हैं। उनके पास अमेरिका, अरब देशों, ईरान और भारतीय उपमहाद्वीप में कार्य करने का अनुभव है। रैटेन इंडिया पावर निजी क्षेत्र की ऊर्जा निर्माता कंपनी है।(एजेंसियां)

देश में बैंक कर्ज की मांग में तेजी से हो रहा है इजाफा

■ बैंक जमा में दर्ज की गई 9.77 फीसद की वृद्धि ■ इस दौरान कर्ज में दर्ज हुई 13.29 फीसद की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

देश में बैंक कर्ज की मांग में तेजी से इजाफा हो रहा है। इसके अलावा जमा और कर्ज की ब्याज दरों में अंतर भी बढ़ा है। आरबीआई की एक रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसी स्थिति में बैंकों को जमाओं पर ब्याज दरें बढ़ानी होंगी ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके।

रिपोर्ट में कहा गया कि अगर मानसून सामान्य रहा और महंगाई दबाव कम हो गया तो वृद्धि दर को खासा समर्थन मिल सकता है। इसके अलावा महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियों में सुधार होने से कर्ज की मांग भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार एक जुलाई को समाप्त पखवाड़े में बैंकों में जमा 9.77 फीसद बढ़कर 169.61 लाख करोड़ रुपए रही। इस दौरान कर्ज में 13.29 फीसद हुई और यह बढ़कर 123.81 लाख करोड़ पहुंच गया।

भारतीय रिजर्व बैंक की हाल में जारी एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया था कि विपरीत परिस्थितियों के बाद भी

■ बैंक ऋण और जमा के बीच बढ़ा ब्याज दरों का अंतर
■ बैंक जमाओं पर ब्याज दरें बढ़ाने की सलाह
■ विपरीत हालात के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ी

अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने की उम्मीद बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भूराजनीतिक हालात सुधार की राह में बाधा बन रहे हैं। संकेतों के अनुसार वैश्विक मंदी के डर के बीच भारत सबसे तेजी से बढ़ती इकोनामी बनने की राह पर है। भारत में पैसे भेजने के मामले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पीछे छोड़कर अमेरिका नंबर एक बन गया है। भारत में आने वाली रकम में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 20 फीसद है।

कोरोना के कारण 2020-21 में खाड़ी देशों से भारत आने वाली रकम में 30 फीसद कमी दिख सकती है क्योंकि यहां से बाहर जाने वालों की संख्या घटी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत आने वाली रकम में अमेरिका, सिंगापुर और यूके का हिस्सा 36 फीसद है। यूएई से सबसे ज्यादा पैसा केरल, तमिलनाडु व कर्नाटक में आता है।

ग्रामीण व अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में पैठ बढ़ा रहे ई-दुपहिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की पहुंच अब गांवों के दूरदराज के इलाकों तक हो गई है। अर्द्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अब ई दुपहिया का चलन तेजी से बढ़ रहा है।

इन क्षेत्रों में सब्सिडी वाली बिजली की वजह से लोगों की वाहन चलाने की लागत घटी है। यही वजह है कि इलेक्ट्रिक वाहन यहां तेजी से अपनी पैठ बना रहे हैं। पेट्रोल महंगा होने के कारण भी लोग ई दुपहिया खरीदने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। गांवों और छोटे शहरों में इनकी मांग ज्यादा है।

दुपहिया की कुल बिक्री हालांकि बढ़ी है लेकिन अभी यह महामारी से पहले के स्तर पर नहीं पहुंच सकी है।

काबुल : अफगनिस्तान के करेंसी एक्सचेंज में मार्केट में नकदी गिनते करेंसी डीलर।

क्रिप्टो पर सरकार का रुख अभी साफ नहीं

■ संसद के मौजूदा सत्र में भी क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ा बिल आने के आसार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी पर सरकार का रुख अब तक साफ नहीं हो सका है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं सरकार संसद के मानसून सत्र में क्रिप्टो बिल सदन के पटल पर रखेगी लेकिन फिलहाल विधेयकों की सूची में ऐसा कोई विधेयक नहीं शामिल है।

उधर रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकार से सिफारिश की है कि उसे क्रिप्टोकरेंसी के लिए नियम जल्द बनाने चाहिए और क्रिप्टो को प्रतिबंधित भी कर देना चाहिए। संभवतः सरकार का मानना है कि क्रिप्टो पर कोई नियंत्रण न होने से कोई कानून या प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में कहा कि क्रिप्टो के लिए तत्काल नए नियम बनाने की जरूरत है। सरकार ने क्रिप्टो पर अपना रुख फिलहाल सार्वजनिक नही किया है लेकनि समझा जाता है कि सरकार इसपर गंभीरता के साथ काम कर रही है और जल्द ही इससे जुड़े नियम सामने आ सकते हैं।

गौरतलब है कि सरकार अभी यह नहीं तय कर सकी है कि क्रिप्टो को किस कैटेगरी में रखा जाए, वित्तीय संपत्ति, कमोडिटी या किसी अन्य कैटेगरी में इसे रखा जाए। कैटेगरी भले ही न तय हुई हो लेकिन सरकार ने बजट में इसपर तीस फीसद टैक्स लगाने का ऐलान जरूर कर दिया है। इस महीने की शुरुआत से यह टैक्स लागू हो चुका है।

खाद्य पदार्थों के सिर्फ 25 किलो तक के पैक पर लगेगा जीएसटी

■ इससे सिर्फ आम आदमी पर ही बढ़ेगा टैक्स का बोझ

■ नए जीएसटी नियमों से होटलों पर असर नहीं ■ होटल खरीदते हैं 25 किलो से ज्यादा खाद्यान्न

नई दिल्ली (वार्ता)।

पैकिंग वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, पनीर, दही, आटा , चावल आदि पर पांच प्रतिशत जीएसटी के सोमवार से प्रभावी होने के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि केवल 25 किलोग्राम तक की पैकिंग वाले खाद्यान्न पर ही जीएसटी लगेगा।

पैकिंग वाले खाद्यान्न के जीएसटी के दायरे में लाए जाने का हो रहे विरोध के बीच वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया है जिसमें कहा गया है कि 25 किलोग्राम तक की पैकिंग पर ही जीएसटी लगेगा। उसने कहा है कि यदि किसी खाद्यान्न का 10 -10 किलो के पैकेट को एक साथ पैक किया जाता है तो उसे 10 यूनिट मानकर उस पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इस बीच कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने यह स्पष्टीकरण जारी किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह टैक्स केवल 25 किलो तक की पैकिंग पर ही लगेगा। 25 किलो से ऊपर की पैकिंग पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इस स्पष्टीकरण से थोक विक्रेता जीएसटी से बाहर हो जाएँगे जो एक बड़ी राहत होगी। वहीं जो लोग इस टैक्स के दायरे में आएंगे उनके दिए हुए टैक्स का इनपुट क्रेडिट मिल जाएगा।

कर का बोझ

■ खाद्य पदार्थों पर पहली बार लागू हुई है जीएसटी की व्यवस्था
■ पैकिंग में बिकने वाला आटा, चावल, दूध, दही सभी कुछ महंगा
■ होटलों के 1000 से कम किराए वाले रूम भी जीएसटी के दायरे में आए
■ एक हजार से कम किराए वाले कमरों पर लगेगा 12 फीसद टैक्स
■ अब तक ऐसे होटल रूम को मिली थी जीएसटी से छूट
■ एलईडी लाइट्स व लैंप पर भी 18 फीसद जीएसटी
■ अब तक जीएसटी से मुक्त थे एलईडी के सभी उत्पाद

लूज (फुटकर में) माल देने पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि आज से अनेक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत या उससे अधिक कर लग रहा है जिससे यह वस्तुओं महंगी होंगी। इसका बोझ सीधे तौर पर आम आदमी पर पड़ेगा। आज से सभी प्रकार के सूखे एवं तरल खाद्यान्न सहित पैकेज्ड दही, लस्सी, बटर मिल्क महंगे हो गए हैं। क्योंकि इन वस्तुओं पर अब 5 प्रतिशत जीएसटी लगने लगा है।

चेकबुक जारी किए जाने पर बैंकों की ओर से लिए जाने वाले शुल्क पर अब 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसके साथ ही हास्पिटल में 5000 रुपए (ग़ैर आईसीयू) से अधिक किराए वाले कमरों पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। होटलों के 1000 रुपए प्रति दिन से कम किराए वाले रूम पर जीएसटी 12 प्रतिशत रहेगा जो कि अब तक नहीं था। एलईडी लाइट्स, एलईडी लैंप पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा जो कि पहले नहीं था।

ब्लेड, कैंची, पेपर, पेंसिल्स शार्पनर, चम्मच, कांटे वाले चम्मच, स्किमर्स व केक सर्वर्स इत्यादि वस्तुओं जिन पर पहले 12 प्रतिशत जीएसटी लगता था अब 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

श्रीलंका को कर्ज देने में भारत शीर्ष पर

■ श्रीलंका को कर्ज सहायता के रूप में दिये 37.69 करोड़ डालर
■ 6.79 करोड़ डालर की कर्ज सहायक के साथ चीन नंबर दो पर
■ भारत ने पुराने कर्जों की किस्तों की तारीखें आगे बढ़ाईं
■ श्रीलंका के सहयोगी देशों के मदद से मुंह मोड़ लेने के बाद सर्वाधिक मदद भारत ने की

कोलंबो (वार्ता)। बुरी तरह से आर्थिक संकट में घिरे श्रीलंका को कर्ज देकर मदद करने के मामले में भारत चीन को पीछे छोड़ कर पहले नंबर का कर्जदाता बन गया है। अखबार डेली मिरर की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष के चार महीने के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत ने श्रीलंका को 37.69 करोड़ डालर की कर्ज सहायता उपलब्ध कराई जबकि इसी अवधि में चीन ने इस देश को 6.79 करोड़ डालर की कर्ज सहायता पहुंचाई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की ओर से इन चार महीनों में उपलब्ध कराई गई यह सहायता इस द्वीप देश के लिए मंजूर किए गए 3.5 अरब डालर के सहायता पैकेज का हिस्सा नहीं है। भारत ने संकटग्रस्त देश को सहायता पैकेज में कर्ज के अलावा पैकेज में सामान खरीदने और सावधि ऋण के अलावा पुराने कर्ज की किस्तों को टालने जैसी सुविधा भी दी है। विदेशी और आंतरिक कारणों से इस वर्ष की शुरुआत में ही बुरी तरह से आर्थिक संकट में घिर गए श्रीलंका से उसके अन्य सहयोगी देशों द्वारा मुंह मोड़ लेने के बाद भारत इस समय इस देश को सबसे अधिक मदद कर रहा है।

भारत, श्रीलंका को अप्रैल से अब तक 3.5 अरब डालर के सहायता पैकेज घोषित कर चुका है। श्रीलंका को उधार पर निर्यात का 1.5 अरब डालर का करार किया है। दोनों पक्षों ने दो फरवरी को 50 करोड़ डालर के दो वर्ष के एक ऋण सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कर्ज की अवधि एक साल बढ़ाने का भी प्रावधान है। इसी तरह 17 मार्च को आवश्यक वस्तुओं के आयात के लिए एक अरब डालर की सहायता के समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए थे।

आनलाइन नौकरी पोर्टल इनडीड अब हिंदी में उपलब्ध

नई दिल्ली (वार्ता)।

आनलाइन नौकरी पोर्टल इनडीड अब हिंदी में उपलब्ध हो गया है जिससे नौकरी तलाशने वाले इनडीड का होमपेज हिंदी में देखकर हिंदी में ही परिणामों का पेज, नौकरी का पेज आदि देख सकेंगे और नौकरी के लिए आवेदन कर सकेंगे। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह अपडेट इस समय मोबाइल वेबसाइट और मोबाइल ऐप के लिए उपलब्ध है, जहां पर इनडीड का अधिकांश ट्रैफिक आता है। उसने कहा कि लोगों को नौकरियां पाने में मदद करने के इनडीड के मिशन के अनुरूप इस अपग्रेड द्वारा नौकरी तलाशने वाले अपने मोबाइल फोन पर हिंदी में नौकरी खोजकर उनके लिए आवेदन कर सकेंगे।

भारत में नौकरी तलाशने की प्रक्रिया अब काफी बदल गई है। पहले वेतन, काम की स्थितियों, और नौकरी के विकल्पों की जानकारी नहीं मिला करती थी, लेकिन अब यह मिलने लगी है। भाषा की बाधा, सभी नौकरियों के लिए सिंगल यूनिफाईड प्लेटफॉर्म उपलब्ध न होना, और नौकरी के आवेदनों के लिए स्टेटस अपडेट की कमी जैसी समस्याएं अभी बनी हुई हैं।

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 14% बढ़ा

नई दिल्ली (वार्ता)।

पिछले वित्त वर्ष के रुझानों को जारी रखते हुए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 14 प्रतिशत बढ़कर 598.7 करोड़ डालर पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 525.6 करोड़ डालर था। इसमें चाय, काफी, मसाले, कपास और समुद्री निर्यात शामिल नहीं है।

सरकार ने एपीडा (कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) के तहत अप्रैल-जून 2022-23 के लिए निर्यात लक्ष्य 589 करोड़ डालर रखा गया था जबकि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए 23.56 अरब डालर के निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पहले तीन महीनों के दौरान कुल वार्षिक निर्यात लक्ष्य का 25 प्रतिशत हासिल हो गया है। वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून 2022-23 तिमाही के दौरान ताजे फल एवं सब्जियों का निर्यात 8.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 69.7 करोड़ डालर दर्ज किया गया।

शेयर बाजार हुए गुलजार सेंसेक्स में अच्छा उछाल

मुंबई (वार्ता)। वैश्विक बाजार की जबरदस्त तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, धातु और बैंकिंग समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली से शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गुलजार रहा तथा सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की उछाल रही।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की टीसीएस ब्रिटेन के बाजार में साफ्टवेयर और आईटी सेवाएं आपूर्ति करने वाली तीस कंपनियों में सर्वाधिक राजस्व सृजित करने वाली कंपनी बन गई है। इससे आईटी और टेक समूह में सबसे अधिक 3.07 प्रतिशत तक की तेजी रही। इसका असर शेयर बाजार में साफ दिखा और बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 760.37 अंक की छलांग लगाकर 54521.15 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 229.30 अंक उछलकर 16278.50 अंक पर रहा।

बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों के प्रति भी निवेशकों की निवेशधारणा मजबूत रही इससे मिडकैप 1.49 प्रतिशत की उड़ान भरकर 23,194.72 अंक और स्मॉलकैप 1.39 प्रतिशत की तेजी लेकर 26,137.13 अंक पर रहा।

ऐप आधारित टैक्सी सेवा शुरू करेगी गोवा सरकार

पणजी (वार्ता)।

गोवा सरकार राज्य में ऐप आधारित टैक्सी सेवा शुरू करने जा रही है। गोवा राज्य उद्योग संघ (जीएसआईए) ने सोमवार को तटीय राज्य गोवा में ऐप आधारित टैक्सी सेवा शुरू करने की पहल पर सरकार को अपना समर्थन दिया है।

जीएसआईए के अध्यक्ष दामोदर कोचकर ने कहा कि हमें महसूस होता है कि ऐप आधारित टैक्सी सेवा एग्रीगेटर्स की शुरूआत जनता की समस्याओं को खत्म करने का एकमात्र समाधान है। सरकार ने टैक्सी संचालकों डिजिटल मीटर लगाने के लिए प्रति टैक्सी 11,000 रुपये की सब्सिडी दी लेकिन इन्होंने मीटर को चालू नहीं रखा।

किसानों की आमदनी दोगुनी करने में सफल हो रही है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की योजना अब सफल होती दिखाई देने लगी है। भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018 से 2022 के बीच महाराष्ट्र में सोयाबीन किसानों की आमदनी बढ़कर दोगुनी हो गई है।

इसके अलावा कर्नाटक में कपास किसानों की आमदनी भी इस अवधि में दो गुनी हो चुकी है। अन्य राज्यों व अन्य फसलों में भी किसानों की आय 1.3 से लेकर 1.7 फीसद तक बढ़ चुकी है। गौरतलब है कि किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से सरकार ने अप्रैल, 2016 में एक समिति का गठन किया था।

रिपोर्ट के अनुसार इन छह वर्षों में कुछ किसानों की आमदनी निश्चित रूप से दोगुनी हुई, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर सभी किसानों की आमदनी अभी डेढ़ गुना ही बढ़ी है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है किसानों की स्थिति सुधारने को अभी और प्रयासों की जरूरत है। रिपोर्ट के अनुसार किसानों की आय 2022-23 तक दोगुना करने का लक्ष्य है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 2014 से 2022 के दौरान 3.7 करोड़ किसानों के कुल 2.5 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए गए। मार्च, 2022 तक सिर्फ 51% किसानों को ही कर्जमाफी का फायदा मिला। इसकी मुख्य वजह यह थी कि कई राज्य सरकारों ने दावों को खारिज कर दिया। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में 39 लाख किसानों के कर्ज माफ किए गए लेकिन इसका लाभ सिर्फ 52 फीसद किसानों को ही मिल सका।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2017 से अब तक किसानों की आय 1.7 गुना बढ़ चुकी है। हालांकि इस दौरान फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सिर्फ 1.5 से 2.3 गुना बढ़त हुई है।

धवन की कप्तानी में विंडीज दौरे के लिए रवाना होगी टीम इंडिया

रोहित और विराट सहित सीनियर खिलाड़ियों को आराम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद अब शिखर धवन की कप्तानी में विंडीज दौर की तैयारियों में जुट गई हैं। 22 जुलाई से शुरु होने वाले इस दौरे पर टीम इंडिया तीन वनडे और 5 मैचों की टी20 खेलगी। भारतीय टीम इस दौरे के लिए मंगलवार को चार्टर्ड फ्लाइट से रवाना होगी।

इंग्लैंड दौर पर भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज ड्रॉ खेली, लेकिन रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने टी20 और वनडे सीरीज में जीत हासिल की। विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और चहल को विंडीज के खिलाफ आराम दिया गया हैं। वहीं नियमित कप्तान रोहित शर्मा को केवल वनडे सीरीज में आराम दिया गया है। वनडे में उप कप्तानी की जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा संभालेंगे। खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली विंडीज दौरे का हिस्सा नहीं हैं। वह अभी कुछ समय लंदन में ही गुजारेंगें। कोहली अब एशिया कप के दौरान भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर भी कोहली का खराब फार्म जारी रहा। वह पांच पारियों में 20 का आंकड़ा भी नहीं पार सके। कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगभग 100 दिन से कोई शतक नहीं लगया हैं।

ऐसे में उनके प्रशंसकों को कोहली के जल्द ही फॉर्म में वापस आने की उम्मीद हैं। वनडे सीरीज का पहला मैच 22 जुलाई, दूसरा मैच 24 जुलाई और तीसरा मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं टी-20 सीरीज का पहला मैच 29 जुलाई, दूसरा मैच एक अगस्त, तीसरा मैच 2 अगस्त, चौथा मैच 6 अगस्त और पांचवां मैच 7 अगस्त को खेला जाएगा।

विराट-रोहित फेल, पंत- हार्दिक ने मध्यक्रम को बनाया मजबूत

इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम वनडे में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रोहित शर्मा, शिखर धवन और विराट कोहली के आउट होने के बाद भारत के मध्यक्रम बल्लेबाज रिषभ पंत और हार्दिक पांड्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दिलाई। 2019 वर्ल्ड कप तक टीम भारत अपने शीर्ष-3 बल्लेबाजों पर निर्भर था। मगर 2019 के बाद में मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को अहम मुकाबलों में जीत दिलाई। 1 जनवरी 2020 से मध्यक्रम के आंकड़ो पर नजर डालें तो 24 वनडे मुकाबलों में भारत के 4 से लेकर 7 नंबर के बल्लेबाजों का कुल औसत 44.91 का रहा है जो विश्व क्रिकेट में सबसे बेहतर है। इन बल्लेबाजों ने इस दौरान कुल चार शतक भी जडे। ऋषभ पंत पिछले एक साल से तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहें हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली करियर के अंतिम पडाव पर हैं। भारत को हार्दिक और पंत जैसे बल्लेबाजों को जरूरत हैं जो भविष्य में टीम को आगे लेकर जा सके।

भारत वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर बरकरार

दुबई। आईसीसी की ओर से सोमवार को जारी ताजा एकदिवसीय टीम रैंकिंग में भारत तीसरे स्थान पर बरकरार है। रोहित शर्मा की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रंखला 2-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान को पछाड़ते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था, जबकि निर्णायक मैच में पांच विकेट की जीत से साथ वह इस स्थान पर कायम है। न्यूजीलैंड अब भी 128 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले स्थान पर है, जबकि 121 रेटिंग पॉइंट के साथ इंग्लैंड दूसरे पायदान पर है। तीसरे नंबर पर काबिज भारत के रेटिंग पॉइंट 109 है जबकि भारत से ठीक पीछे पड़ोसी पाकिस्तान 106 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर है।

वनडे सीरीज के लिए विंडीज टीम घोषित

निकोलस पूरन (कप्तान), शमर ब्रूक्स, कीएसी कार्टी, जेसन होल्डर, शाई होप (उपकप्तान), अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ़, ब्रेंडन किंग, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोती, कीमो पॉल, रोवमैन पॉवेल, जेडेन सील्स, **अतिरिक्त खिलाड़ी:** रोमारियो शेफर्ड, हेडेन वॉल्श जूनियर

मैराज ने स्कीट स्पर्धा में देश को दिलाया पहला स्वर्ण

निशानेबाजी विश्व कप: भारत 13 पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर

चांगवॉन। भारत के शॉटगन शूटर मैराज अहमद खान ने सोमवार को आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में देश को पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक दिलाया।

मैराज ने फाइनल में 37/40 पॉइंट के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि कोरिया के मिनसू किम ने 36 पॉइंट के साथ रजत पदक जीता। ग्रेट ब्रिटेन के बेन लेवेलिन ने 26 पॉइंट के साथ कांस्य पदक जीता। 46 वर्षीय भारतीय ने 75 शॉट के क्वालिफिकेशन स्टेज में 119(+12) के स्कोर के साथ आठवां स्थान हासिल किया था जबकि रैंकिंग मैच में वह 27/30 के स्कोर के साथ पहले पायदान पर रहे थे। भारत इस समय 13 पदक (पांच स्वर्ण, पांच रजत, तीन कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है जबकि आठ पदक जीतकर कोरिया दूसरे स्थान पर है। इससे पहले भारत की अंजुम मुद्गिल ,आशी चौकसे और सिफ्ट कौर सामरा ने महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। भारतीय तिकड़ी ने कांस्य पदक मुकाबले में ऑस्ट्रिया की टीम को 16-6 से मात दी। क्वालिफिकेशन स्टेज एक और दो में भारत को 1324-71 और 872-39 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल हुआ था। इसी बीच, विजयवीर सिंधु जापान के डाइ योशिओका से शूट-ऑफ में हारकर पुरुषों के 25 मीटर पिस्टल पदक मैच में जगह बनाने में असफल रहे।

100 मीटर में जमैका ने किया क्लीन स्वीप

यूजीन। जमैका ने शीर्ष धावक शेली-ऐन फ्रेजर-प्राइस की अगुवाई में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। शेली-ऐन ने 10.67 (0.8 मीटर प्रति सेकंड) के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ विश्व ऐथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 मीटर स्प्रिंट का खिताब जीता, जबकि उनकी हमवतन शेरिका जैकसन ने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 10.73 सेकंड में स्प्रिंट पूरी करके रजत पदक प्राप्त किया। जमैका की ही पांच बार की ओलंपिक चैंपियन इलेन थॉम्पसन-हेराह ने 10.81 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। ओरेगन में स्वर्ण जीतने के साथ शेली-ऐन एक ही दौड़ स्पर्धा में पांच विश्व खिताब जीतने वाली पहली एथलीट बन गयीं।

महिला हॉकी टीम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना

बार्सिलोना। भारतीय महिला हॉकी टीम सोमवार सुबह बार्सिलोना से इंग्लैंड की राजधानी लंदन के लिये रवाना हो गयी। टीम लंदन से नॉटिंघम जाएगी जहां वह 23 जुलाई को बर्मिंघम रवाना होने से पहह्यले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अभ्यास करेगी। भारत एक जुलाई से 17 जुलाई के बीच खेले गए एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2022 में चीन के साथ नौवे स्थान पर रहा था। टीम की कप्तान सविता पुनिया ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल खेलो में इस फॉर्म को बदलने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्यवश हम महिला हॉकी विश्व कप स्पेन एवं नीदरलैंड 2022 में अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेल सके, लेकिन हम राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी फॉर्म को बदलने के लिये तत्पर हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 29 जुलाई को अपने पहले मुकाबले में घाना का सामना करेगी।

पाक के खिलाफ श्रीलंका को 333 रन की बढ़त

गॉल। दिनेश चांदीमल (86), कुशल मेंडिस (76) और ओशादा फर्नांडो (64) के अर्धशतकों ने श्रीलंका को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को 333 रन की विशाल बढ़त दिलायी। श्रीलंका ने पहली पारी में चार रन की बढ़त हासिल की थी, और तीसरे दिन के अंत तक दूसरी पारी में उन्होंने नौ विकेट के नुकसान पर 329 रन बना लिये।दिन की शुरुआत में कसुन रजिता के जल्दी आउट होने के बाद फर्नांडो और मेंडिस ने पारी को आगे बढ़ाया। फर्नांडो ने फर्नांडो ने 64 रन बनाए।

बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

2019 में इंग्लैंड की विश्व कप जीत के रहे हैं नायक

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान और शीर्ष ऑल-राउंडर बेन स्टोक्स ने सोमवार को एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। वह मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी एकदिवसीय मुकाबला खेलेंगे। स्टोक्स 2019 में इंग्लैंड की विश्व कप जीत के नायक रहे थे और उनकी 84 रन की नाबाद पारी दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों की याद्दाशत में छपी हुई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में मैन ऑफ द मैच रहे स्टोक्स के बल्ले से ही लगकर गेंद ओवरथ्रो में चौके के लिए गई थी। अंत में यही चौका इंग्लैंड की जीत का कारण बना था। हाल ही में स्टोक्स टेस्ट टीम के कप्तान बने थे। स्टोक्स ने ट्वीट किया, मैं इंग्लैंड के लिए अपना अंतिम मैच मंगलवार को डरहम में खेलूंगा। यह मेरे लिए एक बेहद मुश्किल निर्णय रहा है। मैंने अपने साथियों के संग इंग्लैंड के लिए खेलते हुए हर मिनट का आनंद लिया है। हमारा सफर शानदार रहा है। स्टोक्स ने कहा कि वह इस प्रारूप में 100 प्रतिशत योगदान नहीं दे सकते इसलिए उन्होंने यह मुश्किल फैसला लिया है। दो अन्य क्रिकेटर वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन और लेंडल सिमंस ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

स्टोक्स का वनडे करियर

31 साल के स्टोक्स ने अब तक 104 वनडे मैचों की 89 पारियों में 2919 रन बनाए हैं। उनका औसत 39.45 और स्ट्राइक रेट 95.27 का रहा है। वनडे उनका सबसे बड़ा स्कोर 102 रन का है। उन्होंने इस फॉर्मेट में तीन शतक और 21 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं, गेंद के साथ उन्होंने 87 पारियों में 74 विकेट लिए। उनका इकोनॉमी रेट 6.03 का रहा। गेंद के साथ उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन 61 रन देकर पांच विकेट रहा है। उन्होंने अपने करियर में एक बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया है।

मनदीप और नित्या ने जीता स्वर्ण पदक

डबलिन। भारत ने युवा पैरा शटलर मनदीप कौर और नित्या श्री के स्वर्ण पदकों की मदद से रविवार को 4-नेशन पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2022 में अपना अभियान 11 पदकों के साथ समाप्त किया।

भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किये।कौर ने महिला एकल एसएल3 स्पर्धा के फाइनल में यूक्रेन की ओक्साना कोज़ीना को 21-18, 21-18 से हराकर स्वर्ण हासिल किया। उन्होंने एसएल3-एसयू5 मिश्रित युगल आयोजन में चिराग बरेठा के साथ मिलकर रजत पदक भी प्राप्त किया। इस सीजन में कौर शानदार प्रदर्शन के साथ दो स्वर्ण और चार रजत जीत चुकी हैं। टोक्यो पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत को पुरुष एकल एसएल3 फाइनल में अपने धुर प्रतिद्वंदी डेनियल बेथेल के हाथों हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अब भारतीय टीम अगले महीने थाइलैंड पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय 2022 में अपनी दावेदारी पेश करेगी।

बिजनेस

बाजार में जबरदस्त तेजी

आईटी, टेक, धातु और बैंकिंग समूहों की लिवाली से सेंसेक्स 760 और निफ्टी ने 229 अंक की भरी उड़ान

मुंबई । वैश्विक बाजार की जबरदस्त तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, धातु और बैंकिंग समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली से शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गुलजार रहा तथा सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की उछाल रही।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ब्रिटेन के बाजार में सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं आपूर्ति करने वाली तीस कंपनियों में सर्वाधिक राजस्व सृजित करने वाली कंपनी बन गई है। इससे आईटी और टेक समूह में सबसे अधिक 3.07 प्रतिशत तक की तेजी रही। इसका असर शेयर बाजार में साफ दिखा और बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 760.37 अंक की छलांग लगाकर 54521.15 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 229.30 अंक उछलकर 16278.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों के प्रति भी निवेशकों की निवेशधारणा मजबूत रही इससे मिडकैप 1.49 प्रतिशत की उड़ान भरकर 23,194.72 अंक और स्मॉलकैप 1.39 प्रतिशत की तेजी लेकर 26,137.13 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3612 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2356 में लिवाली जबकि 1092 में बिकवाली हुई वहीं 164 कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 41 कंपनियां चढ़ीं जबकि शेष नौ लाल निशान पर रहे। बीएसई एफएमसीजी समूह की 0.04 प्रतिशत गिरावट को छोड़कर शेष 18 समूह हरे निशान पर रहे। इस दौरान आईटी समूह ने सर्वाधिक 3.07 प्रतिशत की तेजी रही। साथ ही बेसिक मैटेरियल्स 1.97, ऊर्जा 1.11, वित्त 1.53, इंडस्ट्रियल्स 1.60, दूरसंचार 1.39, यूटिलिटीज 1.35, बैंकिंग 2.08, कैपिटल गुड्स 1.96, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.69, धातु 2.72, तेल एवं गैस 1.31, पावर 1.26, रियल्टी 1.22 और टेक समूह के शेयर 2.96 प्रतिशत चढ़े।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूरोपीय और एशियाई दोनों बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.20, जर्मनी का डैक्स 1.17, जापान का निक्केई 0.54, हांगकांग का हैंगसेंग 2.70 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.55 प्रतिशत मजबूत रहा।कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 309 अंक की तेजी लेकर 54,069.30 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 54,034.97 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया। लिवाली होने से यह लगातार चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 54,556.66 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 53,760.78 अंक के मुकाबले 1.41 प्रतिशत उछलकर 54,521.15 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी ने भी मजबूत शुरुआत की और 102 अंक चढ़कर 16,151.40 अंक पर खुला। सत्र के दौरान 16,142.20 अंक के निचले जबकि 16,287.95 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,049.20 अंक की तुलना में 1.43 प्रतिशत मजबूत होकर 16,278.50 अंक पर रहा।

इनके शेयर में उछाल

इंडसइंड बैंक ने सर्वाधिक 4.36 प्रतिशत का मुनाफा कमाया ।तेजी पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में इंफोसिस 4.16, टेक महिंद्रा 3.67, एक्सिस बैंक 3.31, आईसीआईसीआई बैंक 2.78, विप्रो 2.77, एलटी 2.53, एसबीआई 2.35, टाटा स्टील 2.34, टीसीएस 2.23, रिलायंस 0.86 और एनटीपीसी 0.03 प्रतिशत शामिल रही।

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा है बेहद खास, इन जगहों पर जरूर जाएं एक बार

भगवान कृष्ण की नगरी कहलाई जाने वाला धार्मिक स्थल मथुरा दुनियाभर में पर्यटकों के बीच प्रसिद्ध है। यहां भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए विश्वभर से पर्यटक आते हैं। ये स्थल भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमी से भी जाना जाता है। विशेषतौर होली मानाने के लिए यहां दूर-दूर से लोग आया करते हैं। यहां कृष्ण मंदिर के अलावा कई अन्य जगह भी हैं जहां आप घूमने के लिए जा सकते हैं। मथुरा से करीब 56 किलोमीटर की दूरी पर आगरा है। आप चाहें तो मथुरा के साथ-साथ आगरा भी घूमने जा सकते हैं। वहीं, अगर आप मथुरा घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको जिन प्रमुख जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वहां आप घूमने जा सकते हैं। आइए आपको मथुरा के कुछ प्रमुख स्थानों के बारे में बताते हैं...

कृष्ण जन्मभूमि- अगर आप मथुरा जा रहे हैं तो सबसे पहले कृष्ण जन्मभूमि मंदिर ही जाएं। कृष्ण जन्मभूमि से ही आपको ये साफ हो गया होगा कि ये कृष्ण भगवान का जन्म स्थान है। बता दें कि इस मंदिर को उसी कारागार के बाहर बनाया गया है जहां भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था। कहते हैं कि यहां कृष्ण भगवान की शुद्ध सोने से बनी 4 मीटर की मूर्ति थी, जिसको महमूद गजनवी द्वारा चुरा लिया गया था।

बांके बिहारी मंदिर- मथुरा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक बांके बिहारी मंदिर है। ये राधा वल्लभ मंदिर के पास स्थित है। बता दें कि भगवान कृष्णा का दूसरा नाम बांके बिहारी भी है। इस मंदिर में बांके बिहारी की मूर्ति काले रंग की होती है। इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको संकरी गलियों से जाना पड़ेगा।

द्वारकाधीश मंदिर- अगर आप भगवान कृष्ण से संबंधित घटनाएं कलाकृतियां देखना चाहते हैं तो द्वारकाधीश मंदिर जा सकते हैं। ये मंदिर विश्राम घाट के निकट स्थित है। इसका निर्माण साल 1814 में किया गया था। इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, खासतौर पर जन्माष्टमी में यहां ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है।

मथुरा संग्रहालय- मंदिर के दर्शन करने के अलावा आप म्यूजियम भी देखने जा सकते हैं। साल 1974 में मथुरा संग्रहालय का निर्माण किया गया था। इस संग्रहालय का पहले नाम "कर्जन म्यूजियम ऑफ आर्कियोलॉजी" था। यहां आप कुषाण और गुप्त वंश से संबंधित कई कलाकृतियां देख सकते हैं। यहां अनोखी वास्तुकला और कई कलाकृतियों हैं, इसका चित्र भारत सरकार के स्टैंप पर भी छापा गया है।

कुसुम सरोवर- मथुरा के प्रमुख स्थानों में से एक कुसुम सरोवर है। ये लगभग 60 फीट गहरा और 450 फीट लंबा है। इस सरोवर का नाम राधा के नाम पर रखा गया है। कहते हैं कि यहां भगवान कृष्ण और राधा मिलने के लिए आया करते थे। कुसुम सरोवर में कई लोग नहाने भी आते हैं, यहां का पानी शांत और साफ-सुथरा है। यहां पर होने वाली शाम की आरती यहां का मुख्य आकर्षण केंद्र, कई पर्यटक इस दृष्य को अपने कैमरे में भी कैद करते हैं।

गोवर्धन पर्वत- अगर आप मथुरा घूमने आए हैं तो गोवर्धन पर्वत के दर्शन करने भी जरूर जाएं। इसका हिन्दू पौराणिक साहित्य में बेहद खास महत्व है। पौराणिक ग्रंथो के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपनी एक छोटी उंगली से इस पर्वत को उठा लिया था। इस पर्वत का दर्शन करने वाले लोग इसके चक्कर जरूर लगाते हैं। मान्यता है कि ऐसा करना अच्छा होता है और भगवान कृष्ण की खास कृपा होती है।

कंस किला- जयपुर के महाराजा मानसिंह द्वारा कंस किले का निर्माण किया गया था। अकबर के नवरत्नों में मानसिंह शामिल थे। हिन्दू और मुगल वास्तुकला के मिश्रण का अच्छा नमूना ये मंदिर यमुना नदी के किनारे स्थित है।

ललित मोदी संग दुनिया के सबसे खूबसूरत आइलैंड पर घूमने गई थीं सुष्मिता सेन, यहाँ की नेचुरल ब्यूटी देखकर दंग रह जाएंगे आप

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते की घोषणा कर सबको चौका दिया है। ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर अपने रिलेशनशिप की पुष्टि की है। दोनों के रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि होते ही सोशल मीडिया पर भूचाल आ गया है और लोग ललित मोदी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर दोनों के मीमस भी जमकर वायरल हो रहे हैं। ललित मोदी द्वारा शेयर की गयी ये तस्वीरें उनकी हाल की मालदीव और सार्डिनिया ट्रिप की हैं। ललित मोदी ने अपनी बेटी की शादी के बाद घोषणा की थी कि वह अब एक शॉर्ट ट्रिप पर जायेंगे, वहीं दूसरी तरफ सुष्मिता सेन भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पिछले कुछ समय से मालदीव और सार्डिनिया की तस्वीरें शेयर कर रही थीं। बीते कुछ सालों से मालदीव बॉलीवुड सितारों की सबसे पसंदीदा हॉलिडे बन चुकी हैं और अगर सार्डिनिया की बात करें तो यह दुनिया का सबसे खूबसूरत आइलैंड माना जाता है। चलिए आज हम आपको दुनिया के इस सबसे खूबसूरत आइलैंड के बारे में बताते हैं-

कहाँ है सार्डिनिया?- सार्डिनिया एक इटैलियन आइलैंड हैं, जिसे दुनिया का सबसे खूबसूरत आइलैंड माना जाता है। यह आइलैंड छुट्टियां मनाने के लिए एक अच्छी जगह है। यहाँ काफी खूबसूरत बीच मौजूद है और साथ ही यहाँ का मौसम भी काफी खुशनुमा बना रहता है। इसके अलावा इस आइलैंड पर एक्स्प्लोर करने के लिए बहुत सी चीजें मौजूद हैं।

नेचुरल ब्यूटी को प्रोटेक्ट करने के लिए हैं कड़े नियम- इटली के वेस्ट कोस्ट पर होने की वजह से सार्डिनिया में कई खूबसूरत बीच मौजूद हैं। इन बीच की खूबसूरती देखने के लिए हर साल लाखों की संख्या में टूरिस्ट यहाँ घूमने आते हैं। लेकिन फिर भी सार्डिनिया की नेचुरल ब्यूटी बरकरार है। सार्डिनिया ने अपने बीच की नेचुरल ब्यूटी को बचाए रखने के लिए यहाँ कई कड़े नियम लागू किए हुए हैं ताकि टूरिस्ट यहाँ की खूबसूरती को नुकसान न पहुंचा सकें।

एक दिन में केवल 60 लोग ही कर सकते हैं बीच का दीदार- सार्डिनिया में मौजूद बीच पर एक दिन में केवल 60 लोगों को जाने की अनुमति है। यहाँ जाने के लिए लोगों को पहले से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है और इसके लिए उन्हें 3 डॉलर की फीस देनी पड़ती है। इसके अलावा सार्डिनिया का स्पियागिया रोजा बीच अपनी पिंक रेत के लिए मशहूर है, जिसे देखने के लिए दुनिया से लोग यहाँ आते हैं। लेकिन टूरिस्ट को दूर से ही इस पिंक रेत को देखने की इजाजत है।

इंसान के गुनाहों का खामियाजा है बारिश का न होना : मुफ़्ती हदीस

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। क्षेत्र के जमदहा में तीन दिन से खुले आसमान के नीचे चिलचिलाती धूप में बारिश के लिए खुदा को मनाने के लिए जमे मुस्लिम बन्धुओ ने इस्तिस्का की नमाज पढ़ी। लोगों ने अपनी गुनाहों की माफी तलाफी करते हुए ईश्वर के बारगाह में खूब रोया। उलेमाओं ने कहा कि इंसान के गुनाहों की वजह से धरती पर पशु पक्षियों को भी उठानी पड़ रही है। रविवार को शुरू हुई यह विशेष नमाज तीसरे दिन सम्पन्न हो गई। खेतासराय थाना इलाके के जमदहा के खरका मैदान में सामूहिक प्रार्थना सभा मे भारी संख्या में मुस्लिम बंधुओं ने शिरकत की। विशेष नमाज इस्तिस्का दो दिन तक देड़ घण्टे तक पढ़ी गई। आखिरी दिन दो घण्टे तक दुआ खानी हुई। सुबह सात बजे से नौ बजे तक नमाज अदा करने के बाद गिड़गिड़ा कर हाथ उठाकर खूब रोया। मानसून के लिए ईश्वर से मनाने की कोशिश की। असाढ़ महीने में बारिश न होने की ताल तलैया सूखे पड़ चुके है। धान की नर्सरी पर सुख रही है। सिंचाई के लिए किसान घण्टो निजीय संसाधन से भर रहा है, जिसे से हजारों रुपया चपत लग रही है । नमाज-ए इस्तिस्का की इमामत मुफ़्ती हदीस कासमी ने किया। उन्होंने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे गुनाहों की वजह से पशु पक्षियों को उठानी पड़ रही है, बारिश के लिए खुदा के बारगाह में खूब इबादत करे। माफी तलाफी करते हुए दुआएं करने की नसीहत की। कहा कि अल्लाह की दरबार मे सच्चे नीयत से मांगी गई दुआ बेकार नही जाती। इस मौके पर प्रमुख रूप से मौलाना शाहनवाज, हाजी हतीम, डॉ शकील अहमद,हाफिज लईक,मो फरहान सेबू, अबू बकर,अब्दुल मन्नान अहम समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

धान रोपाई में किसानों की टूट रही कमर- खेतासराय (जौनपुर) सूखे की मार झेल रहे किसानों को अधिक उठानी पड़ रही है। धान की रोपाई और पहली सिंचाई में बड़े काश्तकारों की कमर टूट रही है।लीज पर लाकर खेती करने वाले मो शाहिद बताते है कि 32 बीघा की धान की रुपायी और सिंचाई में सैकड़ो लीटर तेल खत्म हो जा रहा है, अभी पहली सिचाई में 1 लाख 30 हजार रुपए खर्च हो चुके है। वसीउद्दीन 5 बीघा, मैना 9 बीघा, गुड्डू 7 बीघा व मो चाँद ने 11 बीघा की धान की फंसल सूखने की कगार पर है ।

एडीएम प्रशासन ने किया कांवर मार्ग का निरीक्षण, दिए निर्देश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। श्रावण मास में चल रही कांवर यात्रा को लेकर एडीएम प्रशासन ने पिंडरा, फूलपुर बाजार में निरीक्षण करने के साथ कांवर यात्रियों के रुकने के स्थान को चिन्हित कर शुद्ध पेयजल व छाए की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मंगलवार को सायंकाल में एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह, एसडीएम पिंडरा पुष्पेंद्र पटेल व बीडीओ दीपंकर आर्य के साथ फोरलेन बाईपास पर लगे बैरियर व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के बाद पिंडरा बाजार पहुचे और कांवर यात्रा कर रहे बोल बम के ठहरने के लिए चिन्हित स्थानो को देखा और आवश्यक निर्देश दिए। उसके बाद फूलपुर थाना परिसर व अनमोल पाली क्लिनिक के पास बने रुकने के स्थान को देखने के साथ छाए व पेयजल की व्यवस्था का निर्देश दिए। लगभग डेढ़ घंटे के निरीक्षण के दौरान पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि कांवर यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी न हों। मांस व मदिरा की दुकाने सोमवार को सख्ती के साथ बन्द कराए। वही बीडीओ दीपंकर आर्य ने बताया कि साफ सफाई के लिए सफाईकर्मी की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। इसका औचक निरीक्षण भी किया जाएगा।

पिंडरा में लगा सेवा शिविर- कांवर यात्रा में शामिल लोगों की सेवा के लिए पिंडरा स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर के सामने ग्राम प्रधान पिंडरा व बाजार के ब्यापारियों द्वारा सेवा शिविर लगाया गया। जिसका शुभारम्भ पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामु गुप्ता ने किया। इस बाबत ब्यापारी रमेश जायसवाल ने बताया कि कांवर यात्रा करने वालो के लिए दवा से लेकर खाने तक का प्रबंध किया गया है जो पूरे सावन माह तक चलेगा। ग्राम पंचायत के तरफ से शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बुजुर्ग किसान की मौत

प्रखर दानगंज चोलापुर वाराणसी। ग्रामीणों का आरोप अवैध खनन को लेकर पूरी रात ट्रैक्टर वह डंफर फरार्टे भरते हैं जिससे रात्रि में आए दिन घटनाएं होती है, किसी दिन कावरियों के साथ कही कोई भयानक दुर्घटना न हो जाए।चोलापुर थाना क्षेत्र के धरसौना गरथमा मार्ग पर ट्रेक्टर के धक्के बुजुर्ग किसान राधेश्याम यादव 65 वर्ष निवासी धरसौना चोलापुर वाराणसी की मृत्यु हो गई।जानकारी के अनुसार राधेश्याम यादव उम्र 65 वर्ष निवासी धरसौना बड़का अहिरान थाना चोलापुर , टीवी देख कर घर जा रहे थे खाना खाने के लिए रास्ते में तेज रफ्तार से ट्रैक्टर ने सर और सीने पर चढ़ा दिया जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई, ग्रामीणों ने तुरंत सीएचसी चोलापुर ले गए जहा डॉक्टर ने मौत की पुष्टि की है, मृतक के दो लड़के हैं बड़ा लड़का प्रतापगढ़ में पुलिस विभाग के नियुक्त है, छोटा लड़का सेना के आर्मी के तैनात है, दो लड़कियां हैं दोनों की शादी हो गई है, मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया ग्रामीणों की भीड़ सीएचसी चोलापुर पर इकट्ठा हो गई, ट्रैक्टर चालक को ट्रैक्टर सहित पकड़ ग्रामीणों ने पुलिस को सौंप दिया है।वही दूसरी घटना थाना क्षेत्र के औरा नहर के पास हुआ जहा एक मजदूर शहर से काम कर अपने घर तिलमापुर महगांव जा रहा था.विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने मजदूर के बाइक को टक्कर मारते हुए फरार हो गया.ग्रामीणों की सहायता से मजदूर को सीएचसी चोलापुर भेजा गया जहा पर इलाज के दौरान डॉक्टर ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे हायर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पूर्व विधायक के जन्मदिन पर हुआ पौधरोपण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। कोलअसला के पूर्व विधायक स्व0 रामकरन पटेल के 79 वे जन्म दिवस पर बाबतपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को सायंकाल में पौधरोपण के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बाबतपुर रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पूर्व विधायक रामकरन पटेल एक सरल, असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने हमेशा गरीबों की लड़ाई व सामाजिक समास्याओं के समाधान हेतु संघर्ष करते रहे। इसके पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती राजकुमारी द्वारा परिसर में पौधरोपण किया गया। अवसर पर डॉ0 कमल कुमार पटेल, पूर्व प्रधान रामजी सिंह, कमलकांत शर्मा, दीनानाथ पटेल, उदय शंकर पटेल, रामकुमार वर्मा, शिवनारायण सिंह , प्रदीप कुमार एडवोकेट समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

प्राकृतिक खेती समय की मांग

प्रखर पूर्वांचल। आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या के द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र आकुशपुर गाजीपुर के प्रक्षेत्र पर प्राकृतिक खेती का मॉडल 1.0 एकड़ क्षेत्रफल में धान की बीवीटी-5204 (सांभा महसुरी) प्रजाति की रोपाई की गई। केंद्र के वैज्ञानिको ने किसानों को प्राकृतिक खेती की जानकारी दी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ जे पी सिंह ने कृषकों को बताया की प्राकृतिक खेती से शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त अन्न उत्पादन होता एवं इसके सेवन से स्वास्थ पर अच्छा प्रभाव होता है इस संदर्भ में केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ ए के सिंह ने किसानों से आहवॉन किया कि खेतों में किसान गोबर की खाद, हरी खाद जैसे सनई, ढैचा, का अपने खेतों में अधिक से अधिक प्रयोग करें जिससे धान में महक सुगंध बनी रहे। बीज तकनीकी वैज्ञानिक डॉ

नरेंद्र प्रताप ने प्राकृतिक खेती के लिए धान की सुगंधित किस्मों राजेंद्र कस्तूरी, पूसा बासमती 5, पूसा बासमती 1509, मालवीय सुगंधा 5, को पैदा करने की सलाह दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डा अविनाश राय ने कहा कि खेतों में रासायनिक उर्वरको का असंतुलित और ज्यादा प्रयोग करने से मृदा का स्वास्थ खराब होता जा रहा है इसको सुधारने के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी। कृषि अभियंत्रण वैज्ञानिक डा शशांक शेखर ने बताया कि मानसून की स्थिति को देखते हुए जल संरक्षण की तकनीकों जैसे कभी गीला कभी सूखा एवम एस आर आई तकनीकी अपनाने के बारे में सलाह दी इस तकनीकी से कम पानी में बिना उपज पर प्रभाव पड़े धान की अच्छी खेती की जा सकती है। वैज्ञानिक शशांक सिंह ने प्राकृतिक खेती करने के लिए ब्रम्हास्त्र, निमास्त्र, घनजीवामृत आदि बनाने एवं प्रयोग की विधि पर विशेष चर्चा किया गया।

प्रेमी युवक ने लगायी फांसी, बगल में प्रेमिका का शव मिलने पर मचा कोहराम

प्रखर चंदवक जौनपुर। क्षेत्र के पड़रछा गांव में मंगलवार की भोर में घर के बरामदे के रोशनदान से रस्सी के सहारे फांसी पर प्रेमी का जहां लटकता मिला शव वहीं उसके पास ही चौकी पर प्रेमिका मृत पड़ी थीं।मृत महिला की मां ने सुबह जब यह दृश्य देखा तो पैरो तले से जमीन खिसक गई।चीखने चिल्लाने पर आस पास के लोग जुट गए।सूचना पुलिस को दी गईं।पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार पड़रछा गांव निवासी फूलचंद्र विश्वकर्मा की पुत्री ज्योति की शादी दस साल पहले राकेश विश्वकर्मा निवासी बेलाव थाना बदलापुर के साथ हुई थीं।दोनों को एक बेटी आठ साल की साक्षी है।शादी के चार साल बाद दोनों के संबंध खराब हो गए।करीब एक साल पहले ज्योति का संबंध मोबाइल के जरिए राजस्थान के अलवर जिले के प्रतापगढ़ थानाक्षेत्र के निताता गांव निवासी विकास कुमार मीणा (26) से हो गया।इसकी भनक जब उसके पति को लगा तो विरोध करने लगा।मोबाइल से बात करने पर मारने पीटने लगा लेकिन वह नहीं मानी।करीब छः माह पहले वह घर से प्रेमी से मिलने अलवर चली गईं।इधर महिला की छोटी बहन प्रतीक्षा ने बदलापुर थाने में ज्योति को हत्या कर गायब कर देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई।पुलिस ज्योति को अलवर से बरामद कर उसके पिता फूलचंद्र को सुपुर्द कर दिया ।तब से वह मायके में ही रह रहीं थी।जीविकोपार्जन के लिए एक माह से पतरही में एक दुकान पर नौकरी भी कर रही थीं।दो तीन माह से पति से भी उसके संबंध अच्छे हो गए थे।उसका पति विगत शुक्रवार को उससे मिलने आया था और एक दिन रहकर शनिवार को गया।सोमवार को उसका प्रेमी भी अलवर से आ धमका।पतरही में उस दुकान पर भी गया जहां वह काम करती थीं।रात में प्रेमिका के घर प्रेमी कब आया किसी को पता नहीं।मायके में केवल उसकी मां व छोटी बहन ही रहती है।पिता वाराणसी रहते हैं।मंगलवार भोर में उसकी मां देवी जगी तो देखा की युवक रस्सी के सहारे रोशनदान से फांसी पर लटका है वहीं ज्योति बगल में चौकी पर मृत पड़ी है।यह दृश्य देख उसके होश उड़ गए।शोर मचाई तो आस पास के लोग इकट्ठा हो गए।सूचना पुलिस को दी गईं।सूचना पर थानाध्यक्ष रमेश कुमार,चौकी इंचार्ज राम बहादुर यादव मौके पर तत्काल पहुंच गए।सीओ गौरव शर्मा ने भी घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।प्रेमी युवक की पहचान आधारकार्ड के आधार पर हुई।

उपजिलाधिकारी ने किया मां भंडारी देवी धाम में औचक निरीक्षण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर । श्रावण मास को देखते हुए उपजिलाधिकारी नीरज पटेल ने भंडारी देवी धाम का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया । बता दें कि दो वर्ष कोरोना काल के बाद इस वर्ष भंडारी देवी मंदिर पर हो रही भारी भीड़ के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इस वर्ष काफी संख्या में श्रद्धालु मां भंडारी देवी का दर्शन पूजन करने को आ रहे हैं। सावन के पहले मंगलवार को भीड़ का आंकलन करने के लिए उप जिलाधिकारी चुनार नीरज कुमार पटेल ने भंडारी देवी मंदिर परिसर का औचक निरीक्षण कर साफ सफाई ,पेयजल आपूर्ति ,मंदिर परिसर में भक्तों के भीड़ इत्यादि का जायजा लिया। मंदिर प्रशासन से उपजिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी समस्या हो तो तत्काल निराकरण हेतु हमसे सम्पर्क करें ।और अपने स्थानीय पुलिस प्रशासन को भी अवगत कराये ।

आईटीएम गीडा और एलसीबी फर्टिलाइजर प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुए अनुबंध

प्रखर गोरखपुर। गिडा इस अवसर पर कंपनी के प्रमुख अक्षय श्रीवास्तव ने बताया कि इस स्टार्टअप को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य खेतो मे बिना किसी रासायनिक उर्वरक का इस्तेमाल किए फसल को बेहतर बनाना हैं

उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से मुख्यरूप से ग्रामीण परिवेश के नवयुवको को नवाचार के माध्यम से उद्यमी बनाना, गांवो एवं स्कूल कॉलेजो के अपशिष्ट पदार्थो का उचित प्रबंधन करना एवं ग्रामीण युवाओ को कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षित कर रोजगार प्रदान कराना हैं `एलसीबी फर्टिलाइजर एक प्रोडक्ट है जो माइक्रो ऑर्गनिज्म पर काम करता है. इसे नैनो पार्टिकल्स का इस्तेमाल करके बनाया गया हैं. खास बात ये है कि पूरे देश मे निष्यप्रयोज्य एवं अपशिष्ट पदार्थो के प्रबंधन को लेकर सबसे ज्यादा चिंता व्यक्त की जाती है उसका इस्तेमाल इस फर्टिलाइजर को बनाने में किया गया है

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ एन के सिंह ने कहा इस अनुबंध से संस्थान के छात्र -छात्राओं को नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र मे आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा एवं छात्र -छात्राएं स्वावलंबी बनकर कर राष्ट्र कि अर्थव्यवस्था मे अमूल्य योगदान देंगे एवं रोजगार कि समस्या को दूर करने मे सक्षम होंगे आज ही के दिन संस्थान के प्रबंधतंत्र के द्वारा नवनिर्मित प्रवेश प्रकोष्ठ का लोकार्पण एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया `इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष नीरज मातनहेलिया, सचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकुंज मातनहेलिया, संयुक्त सचिव अनुज अग्रवाल, कुलसचिव, उपकुलसचिव, सभी विभागों के संकायाध्यक्ष एवं सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

नगर पंचायत पीपीगंज के परिसीमन में हुआ बहुत बड़ा खेल

प्रखर गोरखपुर। नगर पंचायत पीपीगंज में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ सभासदों ने मोर्चा अधिशासी अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे एवं चेयरमैन गंगा प्रसाद जायसवाल के खिलाफ खोला था जिसके क्रम में 34 विंदुओ के सापेक्ष14 बिंदुओं पर अनियमितता पाई गई थी। सभासदों का कहना है कि अधिशासी अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे का स्थानांतरणअनिमियत्ता पाए जाने पर हुआ इसी का सभासदों से बदला लेने के लिए वार्ड परिसीमन में बहुत बड़ा गोलमाल कर दिया गया। सभासदों का कहना है कि वार्ड परिसीमन में मानक का ध्यान एवं शासनादेश का ध्यान नहीं रखा गया है। पूरे नगर के वार्ड का नाम बदल दिया गया जिससे अभिलेखों को बदलने में जनता को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। वही सभासदों का कहना है कि ग्रामसभा कोलुआ एवं बरहटा मिलाकर एक ग्राम सभा था जिसकी आबादी 2509 थी लेकिन को ल्हुआ को नगर पंचायत पीपीगंज में सम्मिलित कर

लिया गया लेकिन वरहटा को ग्राम सभा में ही रखा गया। लेकिन आनन-फानन में दोनों को जोड़कर जनसंख्या बना दिया गया वर्तमान में उस वार्ड की आबादी लगभग पंद्रह सौ होगी जो शासनादेश के खिलाफ है। जबकि उसकी आबादी लगभग 2200 होनी चाहिए। यही हाल ग्राम सभा हरपुर का है जो हरपुर एवं मेंथ ऊली को जोड़कर ग्राम सभा था लेकिन सम्मिलित ग्राम सभा में हरपुर को नगर पंचायत पीपीगंज में सम्मिलित कर लिया गया लेकिन मेथौली को छोड़ दिया गया। लेकिन वार्ड परिसीमन में मेथौली भी नगर पंचायत की जनसंख्या में जोड़ा गया है जबकि मेथौली ग्राम सभा में है। वही हाल जंगल झझवा का है जंगल झझवा एवं कुई जो ग्राम सभा था लेकिन नगर पंचायत पीपीगंज में सम्मिलित ग्राम सभा में जंगल झझवा को जोड़ा गया लेकिन कुई को छोड़ दिया गया है। लेकिन परिसीमन में दोनों को जोड़कर उसकी आबादी बना दी गई है। वहीं वार्ड नंबर 7 के पूर्व सभासद रामानंद दाढ़ी वाले का कहना है कि नगर पंचायत पीपीगंज में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के वजह से एवं जांच उपरांत 34 बिंदुओं के सापेक्ष 14 बिंदुओं पर अनियमितता पाई गई है। उसी पर बौखला कर नगर पंचायत पीपीगंज के अधिशासी अधिकारी महेन्द्रनाथ पांडे अपना बदला पूरा करने के लिए बदले की भावना से वार्ड नंबर 7 लोहिया नगर को 5 भागों में विभाजित कर दिया जो शासनादेश के खिलाफ है। एवं शासनादेश का सीधा सीधा उल्लंघन है। वही हाल वार्ड नंबर 5 का है उस वार्ड के पूर्व सभासद दिनेश यादव का कहना है कि मेरे वार्ड को दो भागों में विभाजित कर दिया गया है एवं वार्ड का नाम भी बदल दिया गया है। वार्ड नंबर 3 के सभासद मोहम्मद अताउल्लाह का कहना है कि मेरा वार्ड का राजनीतिकरण करते हुए मेरे वार्ड को रेलवे लाइन को पार करते हुए टीचर कॉलोनी में जोड़ दिया गया है जबकि बगल में कोलहुआ को मिलाया गया होता तो वार्ड की जनसंख्या पूरी हो जाती। सभासदों का कहना है कि भ्रष्टाचार का उजागर होने की वजह से अधिशासी अधिकारी की मिलीभगत से कुछ नगर पंचायत पीपीगंज के कर्मचारियों को मिलाकर बैठाकर परिसीमन का नक्शा तैयार कराया गया जो नियम के विपरीत है। वार्ड परिसीमन का विरोध करने वाले मुख्य रूप से हिंदू युवा वाहिनी नगर अध्यक्ष कमलेश वर्मा नीलम देवी रिंकल यादव आनंद भारती सीमा भारती आदि लोगों ने पुनः परिसीमन कराने के लिए शिकायत दर्ज कराई है। वही लेखपाल लोगों से पूछा गया तो वह लोग बताएं कि परिसीमन के बारे में हम लोगों को कुछ भी पता नहीं है। वही नगर अध्यक्ष गंगा प्रसाद जायसवाल से पूछा गया तो उनका कहना है कि परिसीमन के बारे में बोर्ड को संज्ञान में लेना चाहिए था लेकिन मुझे भी परिसीमन के बारे में कुछ पता नहीं है। जो हुआ शासनादेश के खिलाफ हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

एसपी गोरखपुर गौरव ग्रोवर का बड़ा एक्शन दो दरोगा पर गिरी गाज एक हुआ निलंबित तो दूसरा लाइन हाजिर

प्रखर गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ का गृह जनपद होने के नाते यहां पुलिस व्यवस्था बहुत ही चुस्त और दुरुस्त है। पुलिस विभाग की ज्यादा सी लापरवाही उनके लिए भारी पड़ सकती है ग्रामीण इलाकों में पीड़ित फरियादियों की सुनवाई त्वरित हो इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसपी गोरखपुर को आदेशित कर सख्त हिदायत दी है पीड़ित व्यक्तियों की सुनवाई त्वरित हो और उसका निस्तारण भी हो चाहे चौकी हो या पुलिस थाना कहीं से भी कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी एक्शन तुरंत होगा इसी क्रम में एसपी गोरखपुर गौरव ग्रोवर के द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर ग्रामीण व्यक्ति से दुर्गा दुर्व्यवहार करने के आरोप में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा उपनिरीक्षक रूद्र प्रताप सिंह चौकी प्रभारी मेहंदीपुर थाना कैंट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया जिसके विरुद्ध विभागीय जांच आसन है वहीं थाना झंगहा के बरही चौकी पर तैनात उप निरीक्षक विजय प्रताप सिंह को भी लाइन हाजिर कर दिया गया है विजय प्रताप सिंह उप निरीक्षक के द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर के द्वारा की गई है।

ओवरटेक करने के चक्कर में दो ट्रक आपस में भिड़े ड्राइवर की मौत

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के धरसौना बाजार के पास रात्रि में दो ट्रक आपस में पास लेने के चक्कर में टकरा गए जिसमें एक ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मृत्यु हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार धरसौना बाजार के पास दो ट्रक मोहाव से आजमगढ़ की तरफ जा रहे थे दोनों ट्रकों पर बालू लदा हुआ था एक ट्रक द्वारा दूसरे ट्रक से बाय साइड से पास लिया जा रहा था कि अचानक दोनों ट्रक आपस में टकरा गई जिसमें पास ले रहे ट्रक ड्राइवर साहेब पुत्र पत्तु राम निवासी ग्राम भेलखा थाना बड़ागांव उम्र लगभग 32 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। जिससे मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय लोगों के द्वारा तत्काल उसे नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोलापुर पहुंचाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया उसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिस के द्वारा मृतक ड्राइवर की बॉडी को अपने कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चोलापुर थाने में भाजपा हिंदू युवा वाहिनी ही उपेक्षित

प्रखर दानगंज वाराणसी। पिछले दिनों चोलापुर थाने के पीएस न्यूज ग्रुप पर एक व्यक्ति द्वारा सावन के पावन महीने में ही भगवान शिव पर अभद्र टिप्पणी कर दी गई थी। इस मामले को संज्ञान में लेकर हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह आशु ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की सिफारिश चोलापुर थाने में पत्रक देकर की थी। दूसरे घटना क्रम में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर का शिलापट्ट तोड़ दिया गया। जिस मामले में भाजपा नेता प्रिंस चौबे ने चोलापुर थाने में तहरीर दी थी। लेकिन दुर्भाग्य है भाजपा का शासन होते हुए भी दोनों मामलों में पुलिस ने रुचि नहीं दिखाई। और दोनों मामले अन्य मामलों की तरफ पेंडिंग पड़े हुए हैं। इस बात को लेकर क्षेत्र में चर्चा है कि जब सत्ता पक्ष की सुनवाई नहीं हो रही है तो दूसरे सामान्य व्यक्ति अपने लिए क्या उम्मीद कर सकता है।

जरगो डैम मे लीकेज से खतरे की आशंका

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। अहरौरा से पश्चिम की ओर स्थित जरगो जलाशय मे लीकेज के कारण खतरे की आशंका बनी हुई है । एक सर्वेक्षण के अनुसार लीकेज होने का पता लगाया गया । लीकेज का स्वरुप यैसा है कि एक कुलावे की तरह पानी बह रहा है ।इस वर्ष यदि बरसात हो गयी होती तो तटबंध को टूटने से नही बचाया नही जा सकता था और आस पास के बसे सैकड़ो गांव के जलमग्न हो जाने की स्थिती उत्पन्न हो जाती ।उक्त डैम का जल सम्भरण इतना अधिक है कि एक दो वर्ष यदि अवर्षण की स्थिति हो तो भी यह अपने क्षेत्र की सिंचाई का मोर्चा ले लेता है। गनीमत है कि अभी तक बरसात नही हो पायी है फिर भी लीकेज इतना है कि एक कुलावे जैसे पानी बह रहा है ।इसे रोकने के लिए कुछ मिट्टी से पटवा तो किया गया लीकेज को दुरुस्त नही किया गया तो किसी भी समय तटबंध टूट सकता है और पूरा गांव का गांव पानी पानी हो जाए गा ।लोग भयभीत भी है इस सम्बन्ध मे अवर अभियंता सिचाई त्रिपुरारी श्रीवास्तव से पुछे जाने पर उन्हो ने बताया कि पुराना लीकेज है बरसात होने पर गंदा पानी बहता है लेकिन बिना बरसात होने पर कुलावा के बराबर पानी बह रहा है । क्षेत्र के ग्रामीणो ने उक्त डैम के लीकेज को शीघ्र दुरुस्त कराने की उच्चाधिकारीयो से मांग की है । किसान गोपाल दास गुप्ता ओम प्रकाश उर्फ ब्बु सिह ने भी लीकेज की मरम्मत की मांग की है ।

भाजपा नेता अभिनंदन तिवारी ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से किया मुलाकात

प्रखर सन्तकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व समाजसेवी अभिनंदन तिवारी ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया।श्री तिवारी ने कहा कि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा मिले आशीर्वाद को कभी भूल नहीं सकता हूं। श्री तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। सड़क बिजली पानी के साथ ही अन्य बुनियादी सुविधाओं से गांवों को आच्छादित किया जा रहा है। अपराधी या तो जेल में हैं या प्रदेश छोड़कर फरार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर वर्ग का विकास हो रहा है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। योगी सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने में लगी है। इसके साथ ही सड़क,स्वास्थ्य और शिक्षा पर काम हो रहा है।

प्रेमी लटका मिला फंदे पर प्रेमिका बगल के कमरे में चौकी पर मृत पाई गई

प्रखर चंदवक जौनपुर। थाना क्षेत्र के पड़क्षा गांव में मंगलवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक कमरे प्रेमी युगल की लाशे दिखाई पड़ी। घर के बरामदे में रोशनदान से रस्सी के सहारे प्रेमी का शव लटकता मिला। वहीं उसके पास ही चौकी पर प्रेमिका मृत पड़ी थी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पड़रछा गांव निवासी फूलचंद्र विश्वकर्मा की 35 वर्षीय पुत्री ज्योति की शादी वर्ष 2011 में बदलापुर थाना के बेलाव निवासी राकेश विश्वकर्मा के साथ हुई थी। दोनों की एक आठ साल की बेटी है। शादी के चार साल बाद दोनों के रिश्ते खराब हो गए। करीब एक साल पहले ज्योति का संबंध मोबाइल के जरिए राजस्थान के अलवर जिले के 26 वर्षीय विकास कुमार मीणा से हो गया। इसकी भनक जब उसके पति को लगी तो विरोध करने लगा। मोबाइल से बात करने पर मारने पीटने लगा लेकिन वह नहीं मानी। करीब छः माह पहले वह घर से प्रेमी से मिलने अलवर चली गई। उधर, महिला की छोटी बहन प्रतीक्षा ने बदलापुर थाने में ज्योति को हत्या कर गायब कर देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने ज्योति को अलवर से बरामद कर उसके पिता फूलचंद्र को सुपुर्द कर दिया। तब से वह मायके में ही रह रही थी। जीविकोपार्जन के लिए एक माह से पतरही में एक दुकान पर नौकरी भी कर रही थी। एक माह से पति से भी उसके संबंध अच्छे हो गए थे। उसका पति विगत शुक्रवार को उससे मिलने आया था और एक दिन रहकर शनिवार को गया।

सीएम योगी ने हर घर झंडा कांवड़ यात्रा आइजीआरओ की समीक्षा की

प्रखर गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 5 कालिदास मार्ग लखनऊ से वीडियो कांफ्रेंसिंग कर 11 अगस्त से 17 अगस्त तक हर धर झंडा लगाने श्रावण माह में चल रहे कावड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने आइजीआरएस पोर्टल पर लंबित संदर्भों को गुणवत्ता युक्त निस्तारण करने का दिया निर्देश दिये जिससे किसी भी फरियादी को किसी भी प्रकार का दिक्कत का सामना ना करना पड़े मुख्यमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश सीएम योगी ने कहा कि हम आजादी के 75वें वर्षगांठ को मानने की तैयारी कर रहें हैं। इसके तहत "हर-घर तिरंगा" कार्यक्रम का आयोजन 11 अगस्त से 17 अगस्त तक किया जा रहा है। जिसके तहत सभी लोगों के घरों में तिरंगा झंडा जन सहभागिता से लगाने का काम किया जाना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी लोगों के बीच देश के प्रति गौरव, स्वाभिमान और देशभक्ति के भाव को जगाने का काम करेंगे। यह काम अकेले नहीं हो सकता इसके लिए राज्य की समस्त जनता को साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि आम जनता "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम के लिए झंडे को ऑनलाइन माध्यम के साथ-साथ नजदीकी डाकघरों से भी खरीद सकते हैं जिले के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता को झंडा उपलब्ध कराने के लिए दिए गए व्यवस्थाओं के अनुरूप झंडा उपलब्ध कराएं सीएम योगी ने कहा कि कांवड़ यात्रा चल रहा है रास्ते में किसी कांवरियों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो जनपद के जिला अधिकारी और एसएसपी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए कांवरियों को सुरक्षा प्रदान करने का कार्य करेंगे आइजीआरएस पोर्टल पर लंबित संदर्भ को गुणवत्ता युक्त निस्तारण करने का कार्य करें जिससे फरियादियों को न्याय संगत न्याय मिल सके। वीडियो कांफ्रेंसिंग में प्रमुख रूप से एडीजी जोन अखिल कुमार डीआईजी गोरखपुर परिक्षेत्र गोरखपुर जे रविंद्र गौड कमिश्नर रवि कुमार एनजी जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर सीडीओ संजय कुमार मीना अपर आयुक्त अजय कांत सैनी एडीएम प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता डीपीआरओ हिमांशु शेखर ठाकुर सहित संबंधित विभागों के संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

24 घण्टे बाद मिला किशोर का शव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गहमर थाना कोतवाली अंतर्गत नरवा घाट पर सावन के पहले सोमवार को सुबह 7 बजे नहाते समय डूबे किशोर का शव आज दूसरे दिन 24 घंटा बाद बरामद हुआ।शव पर नजर पड़ते ही गंगा किनारे फैले सन्नाटे के बीच परिजनों की चीख पुकार गूंजने लगी। मालूम हो कि गहमर थाना क्षेत्र के खुदरा पथरा गांव निवासी रमाशंकर राम का पुत्र सुमित कुमार(15) अपने मित्र रमेश राम के पुत्र निखिल कुमार के साथ सावन के पहले सोमवार नरवा गंगा घाट पर नहाते समय गहरे पानी में चला गया। वह डूबने लगा। अपने साथी को डुबता देख मित्र निखिल उसे बचाने लगा। वह भी डुबने लगा। दोनों को डूबता देख वहां स्नान कर रहे लोगों ने किसी तरह निखिल को बचा लिया। लेकिन सुमित डूब गया। इसकी सूचना पाते ही सीओ और एसडीएम मौके पर पहुच गये।गोताखोरों के मदद से भी कल शाम तक शव की बरामदगी नही हो सकी।आज मंगलवार की सुबह शव बरामद हुआ जिसे देखकर परिजनों की चीख पुकार गूँजने लगी।इस सम्बंध में थाना प्रभारी विश्वनाथ यादव ने बताया की शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले पिता-पुत्र पर केस दर्ज

प्रखर धानापुर (चंदौली)। स्थानीय पुलिस ने भारत पेट्रोलियम व आंगनबाड़ी में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने के मामले में नामजद मुकदमा पंजीकृत कर उनकी तलाश में जुट गई है। जानकारी होते ही पिता पुत्र फरार है। थाना क्षेत्र के हिंगुतरगढ़ गांव निवासिनी चंचला सिंह का कहना है की अमादपुर गांव निवासी कथित पत्रकार अशोक मिश्रा डाक्टर के पुत्र शिवम मिश्रा उर्फ सौरभ ने उनके पति भगवती शरण सिंह की भारत पेट्रोलियम में नौकरी लगाने के नाम पर उनसे 63000 रुपए लिए हैं। वहीं उनकी परिचित पंचगंगापुर (मेढ़वा) गांव निवासिनी किरण सिंह पत्नी विष्णु सिंह से आंगनबाड़ी में नौकरी लगाने के लिए 40000 रुपए लिए हैं। दो वर्ष से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी जब वे नौकरी नहीं दिला पाए तो दोनों महिलाओं ने उनसे अपने रुपए वापस मांगे। जिस पर शिवम मिश्रा उर्फ सौरव एवं उनके कथित पत्रकार पिता अशोक मिश्रा डॉक्टर ने उनके रुपए वापस करने से इंकार कर दिया। और उन्हें तरह-तरह की धमकियां देने लगे। जिससे आजीज होकर इन महिलाओं ने एसओ विनय प्रकाश सिंह, सीओ अनिरुद्ध सिंह और एसपी अंकुर अग्रवाल से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। जिसके उपरांत एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर धानापुर पुलिस ने दोनों पिता-पुत्र के विरुद्ध आईपीसी की धारा 406 एवं 506 के तहत नामजद केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई है। इस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि महिलाओं की तहरीर के आधार पर पिता पुत्र के विरुद्ध नामजद केस दर्जकर कार्यवाही की जा रही है।

चैप्टर कार्यसमिति का हुआ गठन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन चैप्टर की मीटिंग ब्राइलास्ट प्रा.लि. गाजीपुर के प्रांगण में चैप्टर चेयरमैन बशिष्ट सिंह यादव के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे कार्यकारिणी सदस्यों का गठन के साथ-साथ चैप्टर में सदस्यों की संख्या बढ़ाने एवं उनकी समस्याओं पर चर्चा की गयी साथ ही आजादी के अमृत महोत्सव 75वें वर्ष के अंतर्गत हर घर व प्रतिष्ठान पर तिरंगा के कार्यक्रम को सफल बनाने पर चर्चा हुई। आइआइए के गठित कार्यकारिणी के सदस्यों में विनोद कुमार राय उपाध्यक्ष, अंकुर कुमार शाहू उपाध्यक्ष, जितेंद्र सिंह सचिव, प्रतीक अग्रवाल उप सचिव, कन्हैया लाला वर्मा ससहायक सचिव, अरविंद गुप्ता कोषाध्यक्ष हैं। आईआइए चेयरमैन ने कार्यकारिणी के चयनित पदाधिकारियों को आइआइए के रुल्स एवं रेगूलेशन के अनुसार पूरी निष्ठा से चैप्टर के चौमुखी विकासके लिए सदस्यों की वृद्धि एवं उनकी आकांक्षाओं तथा समस्याओं के निराकरण हेतु जिले स्तर की प्रशासनिक व्यवस्था के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए अपने जिम्मेदारी के निर्वहन की प्रतिबद्धता का आह्वान किया एवं समस्त सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। सभा में उपस्थित सूरेश चंद शाहू, अंकूर शाहू, कन्हैया लाल वर्मा,जितेंद्र सिंह, देवानंद, नंद जी, अरविंद गुप्ता, विनोद राय, प्रतीक अग्रवाल एवं अन्य उद्यमी एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मनायी गयी शहीद मंगल पाण्डेय की जयन्ती

प्रखर गोरखपुर। पीपीगंज गुरू गोरखनाथ विद्यापीठ, भरोहिया पीपीगंज में आजादी के 75 वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आज दिनांक 19 जुलाई 2022 को 1857 की क्रांति के पुरोधा शहीद मंगल पांडेय की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री मनीष कुमार दूबे ने शहीद मंगल सिंह के चित्र के सामने दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया। कक्षा 12 वाणिज्य वर्ग की छात्रा वैष्णवी मिश्रा और कक्षा 12 जीव विज्ञान की छात्रा शताक्षी त्रिपाठी ने देश की आजादी में अहम स्थान रखने वाली 1857 की क्रांति के क्रांतिकारी मंगल पांडेय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया के गांव नगवा के ब्राह्मण परिवार में जन्म लेने वाले मंगल पांडेय 22 साल की उम्र में ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल नेटिव इंफ्रेंट्री में सिपाही थे। अंग्रेजों से देश को आजाद कराने के लिए मंगल पांडेय ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बगावत की पहली चिंगारी जलाई थी। क्रांतिकारी मंगल पांडेय ने ब्रिटिश हुकूमत को इतना डरा दिया था कि उन्होंने कोर्ट मार्शल करने के बाद उन्हें 8 अप्रैल 1857 को उन्हें फांसी दे दी थी। कक्षा 08 के छात्र संजय यादव ने शहीद मंगल सिंह का रूप धारण कर छात्र-छात्राओं और अन्य स्टाफ की वाहवाही लूटी। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती अंजनी दूबे ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि किसी देश को नष्ट करना हो तो सबसे पहले वहां का धर्म नष्ट करना आवश्यक है इसी रणनीति के तहत अंग्रेजों ने सेना में चमडे. से बने कारतूस का प्रयोग आरम्भ कराया जिसका विरोध शहीद मंगल पाण्डेय ने किया। प्रधानाचार्य श्री मनीष कुमार दूबे ने अपने सम्बोधन में छात्र-छात्राओं को आजादी का अमृत महोत्सव मनाये जाने का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के द्वारा लोगों में देश भक्ति की भावना जाग्रत करना है। इसके साथ ही ऐसे आयोजनों से हम आजादी के संघर्ष में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बारे में युवा छात्र-छात्राओं को अवगत करायेगे।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत प्रदेश अध्यक्ष ने नगर आयुक्त को सौंपा सात सूत्रीय मांग पत्र

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार राणा का प्रथम वाराणसी आगमन हुआ प्रदेश अध्यक्ष तय समय पर नगर आयुक्त नगर निगम वाराणसी से दिन के 11:00 बजे जब पहुंचे तो नगर आयुक्त प्रधान कार्यालय में नहीं मिले जो कि 2 दिन पहले दूरभाष द्वारा सूचित किया गया था कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष वाराणसी आगमन पर आ रहे हैं मगर जब नगर आयुक्त कार्यालय पर हमारे प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे तो वहां ताला लटका नजर आया तत्पश्चात अपर नगर आयुक्त दुष्यंत कुमार मौर्य को कार्यालय में मुलाकात कर सफाई कर्मचारियों से संबंधित 7 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा अपर नगर आयुक्त ने प्रदेश अध्यक्ष को आश्वस्त वह विश्वास दिलाया कि आपकी मांग पत्र पर पूर्ण रूप से विचार किया जाएगा और कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा दोपहर 2:00 बजे अजय कुमार राणा का स्वागत समारोह का आयोजन हुआ मुख्यालय स्थित कर्मचारी संघ भवन में किया गया सबसे पहले बाबासाहेब के चित्र पर प्रदेश अध्यक्ष जी ने माल्यार्पण किया तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष वह रायबरेली से चलकर शिव शंकर लाल बाल्मीकि जी को माला पहनाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया समस्त सफाई कर्मचारियों ने बाबा साहेब अमर रहे अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ जिंदाबाद के जोर-जोर से नारे लगाए` प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार राणा ने कहा कि समस्त सफाई कर्मचारियों के साथ हो रहे शोषण उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अगर कर्मचारियों के साथ न्याय व उसका अधिकार नहीं दिया जाता तो आर पार की लड़ाई संग लड़ने के लिए सदैव तैयार है स्वागत के दौरान ही वाराणसी नगर निगम शाखा का भी गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से शाखा अध्यक्ष के पद पर रामचंद्र मेहता तथा उपाध्यक्ष के पद पर मोहम्मद करीम शेख महामंत्री के पद पर विनोद कुमार को चुना गया स्वागत में वाराणसी मंडल अध्यक्ष राजकुमार व जिला अध्यक्ष धीरू कुमार लगे रहे कार्यक्रम का संयोजन व संचालन पूर्वांचल अध्यक्ष गोपाल प्रसाद ने किया।

गीतकार गोपाल दास 'नीरज' की मनाई गई पुण्यतिथि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वाधान में महाकवि एवं प्रख्यात गीतकार गोपालदास नीरज जी की पुण्यतिथि महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर आयोजित की गयी।

इस अवसर पर महासभा के सभी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया ।जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि नीरज जी हिन्दी के साहित्यकार, कवि, शिक्षक के साथ साथ महान गीतकार थे । वह पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें सरकार ने शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में दो दो बार पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित किया।फिल्मी गीत लेखन के लिए उन्हें तीन बार फिल्म फेयर पुरस्कार से नवाजा गया । उन्हें पिछले समाजवादी पार्टी के शासन काल में मुख्यमंत्री अखिलेश जी ने भाषा संस्थान का अध्यक्ष नामित कर

कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया था। उन्होंने कहा कि उनकी रचनाओं के संसार का इतना बड़ा फलक था कि उनके चाहने वाले लोग आजीवन उन्हें अपने दिलों में जिंदा रखेंगे । उनकी आवाज और गीत सुनने वालों के दिलो-दिमाग में उतर जाया करती थी, उनकी आवाज और गीतों में नशा शराब से भी ज्यादा था । उन्हें समाजवादी पार्टी की सरकार ने यश भारती सम्मान से भी सम्मानित किया था। इस अवसर पर मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव,अजय श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव,गौरव श्रीवास्त, विपिन श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव, सुधांशु, संदीप वर्मा,अमर सिंह राठौर, पियूष श्रीवास्तव,कौशल श्रीवास्तव, नन्हें, गप्पू, हिमांशु, प्रियांशु, हर्ष, आर्यन, नेहा, मेघा आदि उपस्थित थे। गोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

सरकारी बैंकों के निजीकरण के लिए बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक का कांग्रेस करेगा विरोध - हाजी ओकास अंसारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सरैयां स्थित कैंप कार्यालय में 19 जुलाई मंगलवार को अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी ओकास अंसारी और प्रभारी शहीद तौसीफ ने किया पत्रकार वार्ता` पत्रकार वार्ता के दौरान बताया की सरकारी बैंकों के निजीकरण के लिए मॉनसून सत्र में लाए जाने वाले बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक का कांग्रेस जनो द्वारा विरोध किया जायेगा और हम सब ने इंदिरा गांधी की चित्र पर हम सब अल्पसंख्यक कांग्रेस लोगो ने माल्यार्पण किया । आज ही के दिन 1969 में उनके द्वारा किए गए बैंकों के राष्ट्रीयकरण किया गया था इस लिए हम सब उनके प्रति कृतज्ञता अर्पित की इन दोनो नेताओ ने आगे बताया कि मोदी सरकार सरकारी बैंकों को अपने उद्योगपति मित्रों को दान में देने के लिए बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक लाने जा रही है। जिसके पास हो जाने के बाद इन बैंकों में सरकार का शेयर 51 प्रतिशत से घट कर 26 प्रतिशत हो जाएगा। जिससे इन बैंकों में जमा आम आदमी का पैसा एक तरह से निजी उद्योग पतियों का हो जाएगा। इन सरकारी बैंकों को मोदी जी के वे मित्र खरीदेंगे जो खुद सरकारी बैंकों के कर्जदार हैं और अपना बकाया कर्ज.मोदी सरकार से माफ करा लेते हैं। ऐसे उदाहरण भी दिखेंगे जहाँ मोदी जी के मित्र उसी बैंक से कर्ज.लेकर उसी बैंक को खरीद लेंगे` उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने 1969 में 19 जुलाई को बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर निजी बैंकों के लाभ को राष्ट्र के विकास में लगाने और उनको जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए उनमें सरकार की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत रखी थी जिससे बैंक जनता के नियंत्रण में रहें। लेकिन अब मोदी जी इन बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत करने और अगले कुछ सालों में पूरी तरह खत्म कर देने के लिए कानून ला रहे हैं। जिससे इन बैंकों का अब जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के प्रति कोई जवाब देही नहीं रह जाएगी। उल्टे वे अब मनमाने व्याजदर पर सरकार को ही कर्ज.देने लगेंगे जिसकी हम कांग्रेस होने नहीं देंगे` उन्होंने कहा कि बैंकों के निजी हाथों में जाते

ही बैंक की नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था भी खत्म हो जाएगी। जिससे पिछड़े, दलित, आदिवासी और गरीब सवर्णों के बच्चे बैंकों में नौकरी नहीं कर पाएंगे कांग्रेस नेताओ ने कहा कि अल्पसंख्यक कांग्रेस इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी` इस मौके पर मौजूद हाजी ओकास अंसारी ,शहीद तौसीफ ,नियाज अहमद , इम्तियाज अहमद ,वसीमा खातून , रूबी , सोनी तैहरूँ, निशा , सब्बो , शकीला बेगम, शबनम , अंसार अहमद ,महबूब आलम , मकबूल सहित इत्यादि लोग मौजूद थे।

जमानत पर रिहा अरुण कुमार सिंह का हुआ जोरदार स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन अरुण कुमार सिंह लगभग छः वर्ष के बाद नैनी जेल से जमानत पर रिहा होकर सोमवार को जैसे ही अपने घर नारी पचदेवरा पहुँचे उनसे मिलने के लिए उनके समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा। इतने दिनों से जेल में रहने के बावजूद भी अरुण सिंह अपने चाहने वालो से बहुत स्नेह और अपनापन से मिले। इस मौके पर अरुण सिंह ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि मैं भाजपा की वकालत नही कर रहा लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा देश और प्रदेश में कराए गए विकास कार्यो से बहुत प्रभावित हूं। कोरोना काल मे योगी जी ने ऐतिहासिक कार्य किया। कोई गरीब भूख और बीमारी से न मरे, सबके घर भोजन पहुँचता रहे इसके लिए वे दिन रात प्रदेश और अस्पतालों का दौरा करते रहें। उन्होंने यहाँ तक कहा कि मैं अभी भाजपा या किसी दल में नही हूँ। भाजपा से बहुत पहले ही इस्तीफा दे चुका हूँ, लेकिन जो अच्छा कार्य करेगा और सम्मान देगा। उसका मैं समर्थन करता हूँ। मैं अन्याय व जुल्म के खिलाफ हमेशा गुण्डो और माफियाओं से लड़ाई लड़ा हूँ और यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। अगर जिले में किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय होगा तथा जनप्रतिनिधि उनकी नही

सुनेंगे तो उनकी आवाज मैं मुख्यमंत्री योगी जी तक उठाऊंगा और उस व्यक्ति को न्याय दिलाने का काम करूंगा। मैं सम्मान के लिए भाजपा पार्टी को छोड़ा हूँ न की किसी निजी स्वार्थ के लिए। उन्होंने करण्डा ब्लाक के खण्ड विकास अधिकारी अनिल श्रीवास्तव पर हुए प्राणघातक हमले की निंदा करते हुए कहा कि दो करोड़ का फर्जी भुगतान न करने के कारण उन पर हमला किया गया था। सबको पता है कि हमला किसने कराया है। अपराधी आज भी बाहर घूम रहे हैं। कुछ नेता हमलावरों को बचाने में भी लगे हैं। मैं मांग करता हूँ कि हमला करने वाले मास्टरमाइंड, गैंगेस्टर, अपराधी को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। अगर करण्डा ब्लाक के खण्ड विकास अधिकारी को न्याय नहीं मिला, तो मैं अपनी सर्व दलीय संघर्ष समिति को साथ लेकर संघर्ष करूँगा। मैं छः साल बाद पुनः अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने के आ गया हूँ। अरुण सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि मुझ निर्दोष को जानबूझकर फर्जी फँसाया गया है। बनारस में जिस समय घटना घटी उस समय मैं गाजीपुर में था। उस घटना से मेरा कोई लेना देना नही रहा। मौके पर शिवप्रसाद सिंह, रामजी यादव, लव सिंह, त्रिलोकी श्रीवास्तव, राजेश सिंह, बबलू सिंह, उदय सिंह, बंटी सिंह, कैलाश राम, अरबिंद बिन्द, सुदामा बिन्द, उमेश यादव, बृजेश सिंह, नंदलाल वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

एसबीआई शाखा प्रबंधकों को एसएचजी वित्तपोषण हेतु जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

प्रखर गोरखपुर। एनेक्सी भवन, गोरखपुर में सोमवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत बैंक शाखा प्रबंधकों का एक दिवसीय वित्त एवं वित्तीय समावेशन पर उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कृष्णा करूणेश ने स्वयं सहायता समूह के खाते खोलने तथा उन्हें वित्त पोषण किए जाने में उल्लेखनीय योगदान देने हेतु भारतीय स्टेट बैंक के झुंगिया, ताजपिपरा और जंगल कौड़िया शाखा के शाखा प्रंबधकों प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया ।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बैंक द्वारा स्वयं सहायता ग्रुप का वित्त पोषण किए जाने से स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन मिलता है। यह महिला सशक्तिकरण का एक अच्छा प्लेटफार्म भी है। इससे समाज के कमजोर वर्ग की महिलाएं अपने कार्यक्षेत्र में बेहतरीन

कार्यनिषपादन कर समाज की बेहतरी में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करती हैं। बैंक की इस उपलब्धि के संबंध में एसबीआई प्रशासनिक कार्यालय, गोरखपुर के डीजीएम शसंजीव कुमार ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक सदैव समाज के सभी वर्गो के आर्थिक उत्थान हेतु एक अग्रणी बैंक की भूमिका निभाता है।

इस समय हमारी सभी शाखाएं स्वयं सहायता समूहों को वित्त पोषण दिए जाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस समय गोरखपुर जिले में हमारी शाखाओं में 1568 से अधिक एसएसजी खाते संचालित हैं तथा विगत वर्ष हमने उनमें से 168 से अधिक एसएसजी को वित्त पोषित किया था। इस वर्ष भी हमारी शाखाएं बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों के खाते खोल रही हैं तथा उन्हें वित्त पोषित भी कर रही हैं । इस कार्यक्रम में बैंक के अधिकारियों के अलावा अग्रणी जिला प्रबंधक राजेश पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता के विविध आयाम पर कार्यशाला सम्पन्न

प्रखर डेस्क। ईश्वर शरण महाविद्यालय ,प्रयागराज के राजनीति विज्ञान विभाग में 19/07/22,दिन मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता के

विविध आयाम '(Liberty:Different Dimensions) विषय पर एक विशिष्ट कार्यशाला आयोजित की गई जिसने संचालन से लेकर समापन तक सारा कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने किया ।अपनी छिपी हुई प्रतिभा का परिचय देते हुए इस कार्यशाला में विभाग के 25 विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता एवं इसके विभिन्न पहलुओं पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यशाला का प्रारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह के उदबोधन से हुआ और समापन विभाग के संयोजक डॉक्टर शिव हर्ष सिंह के वक्तव्य से हुआ। अपने वक्तव्य में डॉक्टर शिव हर्ष सिंह ने स्वतंत्रता के मौलिक अर्थ, इसके विविध पक्षों एवं स्वतंत्रता के अधिकार के विशिष्ट महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यशाला के दौरान विभाग के शिक्षक डॉक्टर अखिलेश त्रिपाठी, डॉक्टर अखिलेश पाल तथा डॉक्टर विवेक कुमार रय ने भी स्वतंत्रता के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किये।कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोध छात्र देवेन्द्र दुबे ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शोध छात्र प्रतीक मिश्र ने किया।इस कार्यशाला के लाभार्थी विभाग के लगभग सभी छात्र रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं